सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 340 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 23 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

चंपारण्य में महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स को केन्द्र सरकार की मंजूरी, 73.42 करोड़ की मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में रायपुर जिले के चंपारण्य में लगभग 73.42 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स परियोजना को भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति सीएसएमसी ने स्वीकृति प्रदान की है। परियोजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा किया जाएगा तथा इसके लिए 18 माह की प्रस्तावित कार्यान्वयन अवधि निर्धारित की गई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में पर्यटन, विशेषकर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के विकास को नई गति मिल रही है। चंपारण्य छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र है।

उन्होंने कहा कि श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मस्थली की गरिमा और धार्मिक स्वरूप को अक्षुण्ण रखते हुए यहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं विकसित होंगी।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड प्रदेश के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और मजबूती से स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। चंपारण्य परियोजना की स्वीकृति छत्तीसगढ़ के आध्यात्मिक पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

खास-खबर

मीरा बाई चानू ने 28 साल बाद भारत को दिलाया एशियन गेम्स का सिल्वर

नई दिल्ली। मीराबाई चानू ने बुधवार को नागोया में महिलाओं की 49 किग्रा वेटलिफ्टिंग कैटेगरी में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। उन्होंने कुल 198 किग्रा वजन उठाया, जिसमें स्नैच में 87 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 111 किग्रा शामिल रहा। मीराबाई चानू ने अपना पहला एशियन गेम्स पदक जीतकर भारत का 28 साल का इंतजार खत्म किया। उत्तर कोरिया की री सोंग-गुम ने गोल्ड जीता, जबकि इंडोनेशिया की लिफ्टर ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। मीराबाई चानू के करियर में ओलंपिक और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडल पहले से शामिल हैं, लेकिन एशियन गेम्स का पदक अब तक उनसे दूर था।

करमा पूजा की खुशियां मातम में बदलीं, कोयल में डूबने से चार युवकों की मौत

पलामू। झारखंड के पलामू जिले में करमा पूजा का पर्व मातम में बदल गया। चैनपुर थाना क्षेत्र के बोकेया पतरिया गांव में पूजा सामग्री विसर्जन के दौरान कोयल नदी में पांच लड़के डूब गए। इस दर्दनाक हादसे में चार लड़कों की मौत हो गई जबकि एक लड़का अभी भी लापता है, जिसकी तलाश जारी है। बुधवार सुबह बोकेया पतरिया गांव के पांच लड़के करमा पूजा की सामग्री लेकर कोयल नदी में विसर्जन करने गए थे। नदी के किनारे से थोड़ा आगे बढ़ते ही वे अचानक गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आ गए। पानी का बहाव इतना तेज था कि पांचों खुद को संभाल नहीं पाए और देखते ही देखते डूब गए।

मेघालय के 8 विधायकों ने छोड़ी यूडीपी, दिल्ली आकर किया भाजपा प्रवेश

शिलॉन्ग। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा की मौजूदगी में मेघालय के आठ विधायक बीजेपी में शामिल हुए। भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले आठ विधायक हैं - लखमेन रिम्बुई, पियूस मारवेइन, किर्मेन श्यल्ला, मायरालबोर्न सिएम, मैथ्यू कुर्बाह, ओलन सिंह सुइन, बालाजीद कुपर सिनरेम और सिनशर लिंगदोह थबाह हैं। बताया जा रहा है कि मेघालय के इन सभी विधायकों की अमित शाह के साथ बातचीत हुई थी। अमित शाह ने उनसे 2028 के चुनावों से पहले मेघालय में कोयला खनन, खासी भाषा के दर्जे और अन्य स्थानीय मुद्दों पर कार्रवाई का वादा किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सभी आठ लोकप्रिय विधायकों का भाजपा प्रवेश पर स्वागत किया है।

एसआईआर पर मतभेद को लेकर निर्वाचन आयोग ने तोड़ी चुप्पी, सभी फैसले सहमति से

एजेंसियां

नई दिल्ली। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के भीतर मतभेद की खबरों के बीच आयोग ने सफाई देते हुए कहा है कि काम के दौरान अलग-अलग राय सामने आना सामान्य है और अंतिम फैसले तीनों चुनाव आयुक्त मिलकर लेते हैं।

चुनाव आयोग के भीतर मतभेद वाले विपक्ष के आरोपों के बीच आयोग की ओर से पहली बार सफाई सामने आई है। आयोग से जुड़े सूत्रों ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी के बीच किसी औपचारिक असहमति की बात को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि कामकाज के दौरान अधिकारी अपनी राय और सुझाव रखते हैं, लेकिन इसे आपसी टकराव या औपचारिक असहमति नहीं माना जाना चाहिए। आयोग के मुताबिक एसआईआर समेत उसके फैसले तीनों चुनाव आयुक्त मिलकर लेते हैं।

एक समाचार पत्र में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों के दौरान एसआईआर से जुड़े फैसलों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज कराई। ये मामले नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची से नाम हटाने या जोड़ने और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े दूसरे फैसलों से संबंधित बताए गए। इसके बाद विपक्ष ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कामकाज को लेकर सवाल उठाए। अब आयोग की ओर से कहा गया है कि दोनों चुनाव आयुक्तों की टिप्पणियों और सुझावों पर विचार किया गया था और उन्हें औपचारिक असहमति के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

सूत्रों के मुताबिक आयोग में किसी मुद्दे पर चर्चा के दौरान अलग-अलग सुझाव और टिप्पणियां सामने आना सामान्य कामकाजी प्रक्रिया का हिस्सा है। अंतिम फैसले सभी सदस्यों की सहमति से लिए जाते हैं। आयोग ने इस दावे को भी खारिज किया कि एसआईआर से जुड़े फैसले किसी एक व्यक्ति ने लिए। आयोग ने कहा कि फैसलों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के भी हस्ताक्षर होते हैं।

आईआईटी-बॉम्बे सुसाइड : प्रोफेसर को छुट्टी पर भेजा

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे ने छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में आरोपी प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को छुट्टी पर भेजा है। उन पर साहिल को उकसाने और जातिगत भेदभाव का आरोप है। 21 सितंबर को डूला को डीन ऑफएडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स के पद से हटाया था। संस्थान ने जांच के लिए 10 सदस्यीय हाईलेवल कमेटी बनाई है। कमेटी मौत से पहले की परिस्थितियों और आरोपों की जांच करेगी। इसकी अध्यक्षता आईआईटी पलक्कड़ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. रमेश वेंकटेश्वरन करेंगे। कमेटी एक हफ्ते में रिपोर्ट देगी। साहिल के पिता रविंद्र वाकोडे ने एफआईआर में नामजद आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि परिवार को किसी कमेटी से ज्यादा निष्पक्ष जांच और बेटे के लिए न्याय चाहिए। वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी करेंगे। साहिल 18 सितंबर की शाम हॉस्टल कमरे में फंदे से लटका मिला था।

मॉडिफाइड उड़ान योजना से छत्तीसगढ़ में पर्यटन को मिलेंगे पंख : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

- घटेंगी दूरियां, बढ़ेगी विकास की रफ्तार
- केंद्र और छत्तीसगढ़ के बीच नया समझौता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मॉडिफाइड उड़ान योजना के नए चरण के अंतर्गत भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के बीच हुए समझौते को विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। इससे प्रदेश की भौगोलिक दूरियां घटेंगी और विकास की रफ्तार बढ़ेगी। नई दिल्ली में हुए इस समझौते पर छत्तीसगढ़ शासन की ओर से विमानन सचिव मुकेश बंसल ने हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि बेहतर हवाई संपर्क का लाभ बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों और दूरस्थ अंचलों तक भी पहुंचे। इस समझौते से प्रदेश में नए हवाई संपर्क, हवाई पट्टियों के विकास और दूरस्थ क्षेत्रों में हेली-कनेक्टिविटी के विस्तार की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बेहतर हवाई संपर्क से नागरिकों का आवागमन सुगम होगा और पर्यटन, व्यापार, निवेश तथा रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। दूरस्थ क्षेत्रों में हेली-कनेक्टिविटी का विस्तार आपातकालीन चिकित्सा सहायता, आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी उपयोगी होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ देश के विस्तारित होते विमानन नेटवर्क से और मजबूती से जुड़ेगा। मॉडिफाइड उड़ान योजना के अंतर्गत देश में मौजूदा अनुपयोगी हवाई पट्टियों से 100 हवाई अड्डे तथा दूरस्थ क्षेत्रों में 200 आधुनिक हेलीपैड विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

24 हजार फीट की ऊंचाई पर इंडिगो में आई खराबी, अटकी सबकी सांसें

नई दिल्ली (ए.)। लंदन से भारत आ रहे इंडिगो एयरलाइंस के यात्रियों के लिए उस समय एक डरावना मंजर पैदा हो गया, जब विमान के टेकऑफ करते ही उसमें अचानक तकनीकी खराबी आ गई। लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना हुई उड़ान संख्या 6ई4 को हवा में ही आपातकाल घोषित करना पड़ा। हालांकि, पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और विमान को सुरक्षित वापस लैंड करा लिया गया।

जानकारी के अनुसार, बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान ने लंदन के स्थानीय समयानुसार रात 8:05 बजे हीथ्रो एयरपोर्ट के रनवे 27आर से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद जब विमान इंग्लिश चैनल के ऊपर लगभग 24,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था, तभी कॉकपिट में क्रू को तकनीकी खराबी का संकेत मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलटों ने विमान को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने के बजाय वहीं रोक दिया और तुरंत वापस लौटने का फैसला किया।

विमान में समस्या की पहचान होते ही पायलटों ने बिना समय गंवाए एयर ट्रैफिक कंट्रोल को तुरंत आपातकालीन संदेश भेजा। एटीआर से हरी झंडी और लैंडिंग क्लियरेंस मिलते ही विमान ने हवा में ही यू-टर्न लिया और उसे वापस लंदन हीथ्रो एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। विमान के सुरक्षित लैंड करने के बाद सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने राहत की सांस ली।

1 अक्टूबर से सभी जिलों में तीन माह के लिए लागू होगा एनएसए

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले तीन महीने तक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून यानी (एनएसए) लागू रहेगा। राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी 33 जिलों के कलेक्टरों को इस कानून के तहत कार्रवाई करने के लिए विशेष अधिकार दे दिए हैं। यह आदेश 1 अक्टूबर से लेकर 31 दिसंबर 2026 तक लागू रहेगा।

गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि सरकार को खुफिया रिपोर्ट मिली है कि कुछ असामाजिक तत्व प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। त्योहारी सीजन और संवेदनशील हालात को देखते हुए एहतियातन सभी जिला दंडाधिकारियों को एनएसए की शक्तियां दी गई हैं।

इस आदेश के बाद कलेक्टरों को निवारक गिरफ्तारी यानी निवारक निरोध की शक्ति मिल गई है। अगर किसी व्यक्ति के बारे में लगे कि उसकी गतिविधियां लोक शांति, राज्य की सुरक्षा या जरूरी सेवाओं के लिए खतरा हैं, तो कलेक्टर उसे बिना मुकदमे के हिरासत में लेने का आदेश दे सकते हैं।

नौ टुकड़ों में कटी मिली लाश, पत्नी और बेटा लापता, शारजाह में सेटल्ड था परिवार

नई दिल्ली (ए.)। कर्नाटक के एक व्यक्ति की शारजाह में हत्या कर दी गई। उनकी लाश 9 टुकड़ों में मिली। शव के टुकड़े दो बैग में भरकर कार में रखे थे। मृतक की पहचान उडुपी जिले के एल्विन प्रकाश कुंदर के रूप में हुई है।

एल्विन पिछले 14 साल से शारजाह एयरपोर्ट पर काम कर रहा था। उनकी पत्नी टीना कुंदर उडुपी के उदयवारा की रहने वाली हैं। टीना भी शारजाह के एक स्कूल में टीचर हैं। उनका बेटा भी शारजाह में 10वीं क्लास में पढ़ रहा है।

मृतक के भाई अनिल प्रशांत ने बताया कि भाई से संपर्क नहीं होने पर उसने प्रकाश के क्लासमेट मनोहर से उसका पता लगाने के लिए कहा था। मनोहर को फ्लैट के वॉचमैन ने बताया कि प्रकाश भारत जा चुके हैं। कंपनी के एचआर ने भी यही कहा। पर पासपोर्ट रिकॉर्ड से पता चला, प्रकाश शारजाह में ही थे। इसके बाद प्रकाश के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई। जांच के दौरान प्रकाश का शव ओमान जाने वाले रास्ते के पास खड़ी एक कार से बरामद हुआ। शव को 9 टुकड़ों में काटकर दो बैग में रखा गया था। इस बीच मृतक की पत्नी टीना और पुत्र से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा नया सिस्टम रात तक आंध्र-ओडिशा के तट से टकराएगा

नई दिल्ली (ए.)। बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन पिछले 6 घंटे में 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा है। बुधवार सुबह 5:30 बजे यह आंध्र प्रदेश के कलिंगपट्टनम से करीब 70 किमी दूर समुद्र में था।

मौसम विभाग के मुताबिक, इसके 23 सितंबर की रात तक उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट के बीच कलिंगपट्टनम के पास से गुजरते हुए तट पार करने की संभावना है। डीप डिप्रेशन कम दबाव वाले मौसम तंत्र का एक मजबूत चरण होता है, जो समुद्र के ऊपर बनता है और तेज हवाओं के साथ आगे बढ़ता है।

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट में आज भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, पूरे बिहार में आज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राज्य के 38 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। राजस्थान में बारिश रुकने के बाद गर्मी बढ़ गई है। जैसलमेर में तापमान 41 डिग्री और बीकानेर-बाड़मेर में 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। सितंबर में मई जैसी गर्मी महसूस हो रही है। अगले 4-5 दिन मौसम ड्राई रहने और गर्मी बढ़ने की संभावना है।

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में दिखी उड़न गिलहरी, हैरान अधिकारियों ने किया क्लिक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों और प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में एक उत्साहजनक खबर सामने आई है। रिजर्व क्षेत्र में दुर्लभ वन्यजीव भारतीय विशाल उड़न गिलहरी (इंडियन जायंट फ्लाइंग स्क्विरल) की मौजूदगी दर्ज की गई है। इस दुर्लभ प्रजाति का वीडियो भी कैमरे में कैद हुआ है, जिसने वन अधिकारियों, वन्यजीव विशेषज्ञों और प्रकृति प्रेमियों में उत्साह का संचार कर दिया है।

भारतीय विशाल उड़न गिलहरी अपनी अनोखी उड़ान क्षमता और निशाचर जीवनशैली के लिए जानी जाती है। यह प्रजाति पेड़ों के बीच फैली त्वचा की विशेष झिल्ली की सहायता से लंबी दूरी तक ग्लाइड कर सकती है। सामान्यत: यह घने और सुरक्षित वनों में निवास करती है, इसलिए इसकी उपस्थिति किसी भी वन क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण संकेत मानी जाती है।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में इस दुर्लभ जीव का दिखाई देना इस बात का प्रमाण है कि यहां के वन क्षेत्र विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों के लिए अनुकूल और सुरक्षित आवास प्रदान कर रहे हैं। वन विभाग द्वारा किए जा रहे संरक्षण और संवर्धन के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब दुर्लभ जीवों की उपस्थिति के रूप में सामने आ रहा है। भारतीय विशाल उड़न गिलहरी मुख्य रूप से रात्रिचर प्राणी है और दिन के समय वृक्षों की खोखलों या घने पत्तों के बीच विश्राम करती है।

संपादकीय

जवाबदेही तय हो

निजी विश्वविद्यालयों को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

आये दिन देश के विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक संसाधन जुटाने में पारदर्शिता के अभाव की खबरें सुर्खियां बनती रहती हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने अपनी सुविधा के हिसाब से कायदे-कानून बनाने और शैक्षिक जवाबदेही से बचने के रास्ते भी निकाल लिए हैं। इसी आलोक में देश भर के निजी विश्वविद्यालयों के लिए सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। दरअसल, कई तरह के आक्षेपों के बाद शीर्ष अदालत ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के संचालकों से पूछा है कि वे बताएं कि उनके विश्वविद्यालयों में वित्तीय संसाधन कैसे जुटाये जाते हैं? संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से किया जाता है? इसके अलावा ये विश्वविद्यालय इस धन का प्रयोग किस तरह से करते हैं? सही मायने में अदालत का यह निर्देश विश्वविद्यालयों के आय और व्यय के सामान्य ऑडिट से कहीं आगे की बात करता है। दूसरे शब्दों में अदालत के निर्देशों में यह जानने का प्रयास किया गया है कि प्रवेश के समय छात्रों को सुविधाओं के जो सब्जबाग दिखाए जाते हैं उसके मुकाबले हकीकत में कितनी सुविधाएं मिलती हैं। कह सकते हैं कि यह एक आवश्यक रियलिटी चेक है। वास्तव में कोर्ट की जिज्ञासा के पीछे ठोस कारण भी हैं। दरअसल, समाज में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि शिक्षा का क्षेत्र धीरे-धीरे एक बिजनेस मॉडल का रूप लेने लगा है। आक्षेप तो यहां तक हैं कि शिक्षा का ये कारोबार रियल एस्टेट मॉडल में बदल गया है। जहां सिर्फ इस बात से ही फर्क पड़ता है कि कितने छात्र दाखिला ले रहे हैं और विभिन्न प्रकार के शुल्क लगाने से इन संस्थानों को कितना मुनाफा हो रहा है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तार्किक ही है कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को शिक्षा के व्यापक सार्वजनिक उद्देश्य को पूरा करना चाहिए। वे सिर्फ मुनाफे के लिये ही काम नहीं कर सकते। कोर्ट का कहने का अभिप्राय है कि छात्रों के किसी भी तरह के शोषण को रोकने के लिये मजबूत नियामक संस्था की निगरानी जरूरी है।

> “ दरअसल, कई तरह के आक्षेपों के बाद शीर्ष अदालत ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के संचालकों से पूछा है कि वे बताएं कि उनके विश्वविद्यालयों में वित्तीय संसाधन कैसे जुटाये जाते हैं? संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से किया जाता है? इसके अलावा ये विश्वविद्यालय इस धन का प्रयोग किस तरह से करते हैं? सही मायने में अदालत का यह निर्देश विश्वविद्यालयों के आय और व्यय के सामान्य ऑडिट से कहीं आगे की बात करता है।

निस्संदेह, इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती है कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में उच्च शिक्षा की मांग तेजी से बढ़ी है। वहीं सरकारी विश्वविद्यालय इस मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं। वजह साफ है कि वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते सरकारी संस्थान ज्यादा संख्या में छात्रों को मौका देने में विफल नजर आते हैं। जिसके चलते देश में निजी विश्वविद्यालयों को पांव पसारने का मौका मिल रहा है। वहीं एक हकीकत यह भी है कि कड़ी स्पर्धा वाले निजी क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में आधी-अधूरी सच्चाइयों का सहारा लेकर अपना कारोबार बढ़ाया है। पर्याप्त शैक्षिक ढांचा न होने, योग्य-अनुभवी शिक्षकों की कमी और प्रभावी अकादमिक शोध की अनदेखी के बावजूद विश्वविद्यालय परिसरों में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है। वहीं दूसरी ओर प्लेसमेंट के बाबत भी आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। दरअसल, यदि फैकल्टी डेवलपमेंट की कमी एक समस्या है, तो उससे अधिक चिंता करने वाली बात यह भी है कि कम स्टाफ पर ज्यादा काम करने का अतिरिक्त बोझ भी है। अंततः इस सब का खामियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है, क्योंकि उनके हितों से ही समझौता किया जाता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद निजी विश्वविद्यालयों के लिये फीस स्ट्रक्चर, कर्मचारियों के वेतन, अन्य खर्चों व सरकार से मिलने वाले फायदों या भर्ती और शिक्षा के मानकों के बारे बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी देना मुश्किल नहीं होगा। कागजी कार्यवाही पूरी करने की उनकी महारत पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता है। सही मायने में असली चुनौती सख्त जांच-पड़ताल की होगी। खासकर उस वातावरण में जहां लंबे समय से नियमों और सही तौर-तरीकों की अनदेखी की जाती रही है। हकीकत में निजी विश्वविद्यालयों के लिये जिम्मेदारी और जवाबदेही अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश में उच्च शिक्षा का नियमन करने वाली संस्थाएं अब अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करेंगी। तभी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं।

परखी जाएगी पंजाबियों की विवेकशीलता

अश्विनी कुमार

लोकतंत्र की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब एक जागरूक मतदाता उन लोगों को नेतृत्व सौंपने में सक्षम हो, जो निःस्वार्थ भाव से प्रेरित हों और ऐसी राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हों, जिसमें मानवीय गरिमा और जनता के सम्मान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि पंजाब ऐसी ऊर्जावान राजनीति का मार्गदर्शक बन सके।

अगले वर्ष के आरंभ में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव राज्य के उथल-पुथल भरे राजनीतिक इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकते हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए, आगामी चुनाव राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के तौर-तरीकों और समीकरणों को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद पहली बार पांच प्रमुख राजनीतिक दल सत्ता के लिए चुनावी मैदान में आमने-सामने होंगे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी यानी आप को चुनौती देने वाले चार विपक्षी दलों में 'वारिस पंजाब दे' भी शामिल है। यह एक नवोदित राजनीतिक संगठन है, जिसने अपने सुधारवादी तेवर और राजनीतिक बदलाव के वादे के कारण ग्रामीण सिख युवाओं के बीच उल्लेखनीय समर्थन हासिल किया है। यह स्थिति पारंपरिक राजनीतिक दलों के प्रति घटती जन-रुचि का भी संकेत देती है।

पंजाब की अस्मिता से जुड़े मुद्दों से काफी हद तक लोकप्रियता हासिल करने वाला यह नया राजनीतिक दल—अन्य दलों, विशेषकर अकाली दल, के मत प्रतिशत में सेंध लगा सकता है। हालांकि, संभवतः वह सत्तारूढ़ दल के लिए गंभीर चुनौती पेश करने की स्थिति में न हो। फिर भी, चुनावी मैदान में इसकी स्पष्ट उपस्थिति ने पंजाब के राजनीतिक संतुलन को प्रभावित किया है और उग्र राजनीति की वापसी को लेकर आशंकाओं को फिर से जन्म दिया है। राजनीतिक प्रासंगिकता पुनः हासिल करने का प्रयास कर रहे अकाली दल का सिमटता प्रभाव, तेजी से उभरती भाजपा और कांग्रेस द्वारा स्वयं को पहुंचाया गया राजनीतिक नुकसान—इन सभी ने मिलकर पंजाब की राजनीति का चेहरा बदला है। इसके साथ ही, अकाली दल और भाजपा के बीच संभावित गठबंधन चुनाव से पहले और चुनाव के बाद के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल सकता है। यह गठबंधन आप के सामने प्रमुख चुनौती के रूप में उभर सकता है। इन परिस्थितियों में, खंडित जनादेश और उससे पैदा होने वाली राजनीतिक अस्थिरता की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विभिन्न विकास सूचकांकों पर पंजाब की आ रही गिरावट को तब तक पलटा नहीं जा सकता, जब तक राज्य के पुनर्निर्माण और नवोदय के लिए महत्वपूर्ण नीतियों पर व्यापक राजनीतिक सहमति न बने।

जमीनी परिस्थितियां और एक सुदृढ़ लोकतंत्र की आवश्यकताएं राजनीतिक संवाद में शालीनता तथा संबंधों में मर्यादा-सौहार्द की मांग करती हैं। राजनीतिक नेताओं के बीच संवाद के सौहार्दपूर्ण माध्यम बने रहना आवश्यक है, क्योंकि राज्य के विकास के लिए विवेकपूर्ण नीतियों पर व्यापक सहमति बनाने हेतु नेताओं के बीच सहयोग और सामंजस्य अनिवार्य है। सोशल मीडिया पर राजनीतिक नेताओं के बीच सार्वजनिक रूप से होने वाली कटु और अस्वस्थ बहसें, जो अब एक अंतहीन तमाशे का रूप ले चुकी हैं, उनकी व्यक्तिगत विश्वसनीयता को कमजोर कर रही हैं। किसी की प्रतिष्ठा-गरिमा को कलंकित करना लोकतांत्रिक संवाद के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। हिंसक या भय उत्पन्न करने वाले स्वर में दिया गया वक्तव्य लोकतंत्र की उस सौम्यता और प्रभावकारी शक्ति को कमजोर करता है, जो राजनीतिक और सामाजिक जीवन को व्यवस्थित करने में उसकी केंद्रीय विशेषताएं हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि सार्वजनिक संवाद का स्तर ऊंचा उठाया जाए।

एक जीवंत और समृद्ध राज्य के रूप में पंजाब के पुनरुत्थान के लिए उदार और विशाल हृदय वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। आज पंजाब को ऐसा नेता चाहिए, जो स्वयं से ऊपर उठ सके, वंचित और हाशिये पर खड़े लोगों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता को शासन का मूल भाव बना सके, सत्ता-प्राप्ति के आकर्षण का प्रतिरोध कर सके। हमें ऐसे नेता चाहिए, जो दमनकारी अधिकार को अपनी शक्ति न समझें और ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें, जिनका नेतृत्व का दावा शक्ति-प्रदर्शन और समर्थकों के रूप में प्रस्तुत होने वाले सत्ता के दलालों की चाटुकारिता पर टिका हो। जनता के अन्याय और पीड़ा के प्रति उदासीन अहंकारी सत्ता का प्रतिरोध करना एक निर्विवाद नैतिक दायित्व है।

लोकतंत्र अंततः उन्हीं नेताओं के कारण टिकता है, जो शोषित और कमजोर लोगों की आंखों में छलकने से रह गए आंसुओं को देख सकें और उनकी दबी हुई आहों को सुन सकें। पंजाब की वीर और जीवट जनता, जो गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा लेती है, अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से ऐसे शासन की अधिकारी है, जिसकी नींव कानून व न्याय पर टिकी हो।

एक जीवंत लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी उसकी प्रक्रियाओं की शुचिता है—ऐसी प्रक्रियाएं, जो विचारों की स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा के माध्यम से प्रेरणादायी नेतृत्व को जन्म दे सकें। ऐसा नेतृत्व 'चतुर व्यक्ति के अहंकार' पर नहीं, बल्कि मानवीय स्थिति की समग्र समझ पर आधारित होना चाहिए। हम जानते हैं कि लोकतंत्र हमारे समय के नैतिक प्रश्नों पर सार्वजनिक तर्क-विमर्श का नाम है। पंजाब जब अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है, तब उसे ऐसे नेताओं के नेतृत्व वाली सरकार की आवश्यकता है, जिनमें 'दुस्साहसी आदर्शवाद' हो; ऐसे नेता जो ऐसी दिशा तय कर सकें, जिससे लोगों में आशा का संचार हो। साथ ही, रोजगार सृजन, नशे की समस्या से निपटने के लिए सार्थक नीतियों, राज्य की शक्ति के घोर दुरुपयोग और उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश, राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन से जुड़े जटिल प्रश्नों पर विचारपूर्ण दृष्टिकोण, पर्यावरण संरक्षण तथा साझी विरासत पर आधारित सामाजिक सौहार्द के संरक्षण के माध्यम से उस आशा को ठोस रूप दिया जा सके।

इन चुनौतियों के बावजूद, क्या हम यह आशा कर सकते हैं कि राज्य के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दल जातिवादी और सांप्रदायिक राजनीति से ऊपर उठेंगे? क्या वे ऐसे नेताओं को सामने ला सकते हैं, जिनके पास वह नैतिक विश्वसनीयता हो, जो एक गौरवशाली और वीर जनता से ईमानदारी से संवाद कर सकें और उसे सम्मानपूर्ण जीवन का अवसर देने का संकल्प प्रस्तुत कर सकें? या फिर पंजाब को ऐसे लोगों का बोझ उठाते रहना होगा, जिनके लिए राजनीति सही और गलत की किसी भावना से मुक्त होकर केवल सत्ता हासिल करने का साधन है? ये ऐसे प्रश्न हैं, जिनका सामना राज्य के राजनीतिक दलों और नेताओं को करना ही होगा।

लोकतंत्र की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब एक जागरूक मतदाता उन लोगों को नेतृत्व सौंपने में सक्षम हो, जो निःस्वार्थ भाव से प्रेरित हों और ऐसी राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हों, जिसमें मानवीय गरिमा और जनता के सम्मान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि पंजाब ऐसी ऊर्जावान राजनीति का मार्गदर्शक बन सके—ऐसी राजनीति, जो जनता की इच्छाशक्ति को जाग्रत करे, हमारे संस्थापकों के आदर्शवाद से प्रेरणा ले और उस इच्छाशक्ति को एक नए सार्वजनिक उद्देश्य में परिणत करे। इसके लिए राजनीतिक स्पेक्ट्रम के विभिन्न हिस्सों से श्रेष्ठ नेतृत्व और प्रतिभाओं को साथ लाने तथा राज्य में परिवर्तनकारी नेतृत्व के विकास के लिए आवश्यक परिस्थितियां तैयार करने की जरूरत होगी। अगले चुनाव में एक बार फिर पंजाब की जनता की सामूहिक विवेकशीलता की परीक्षा होगी।

लेखक केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री रहे हैं।

संवाद के जरिए कड़वाहट कम करने की कवायद

के.एस. तोमर

ट्रंप और शी की शिखर बैठक में व्यापार, तकनीक और वैश्विक संघर्षों से जुड़े कठिन मुद्दों पर बातचीत होगी। इसका महत्व शायद किसी एक समझौते में नहीं, बल्कि इसमें होगा कि दोनों देश अपनी प्रतिद्वंद्विता को किस सीमा तक नियंत्रित कर पाते हैं। हर मोर्चे पर खुला टकराव अमेरिका और चीन, दोनों के हित में नहीं।

आज जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पहुंचेंगे, तब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं हवाई पट्टी पर उनका स्वागत कर सकते हैं। यह इसलिए भी अहम है कि मई में बीजिंग पहुंचने पर ट्रंप की अगवानी शी ने स्वयं नहीं की थी। ऐसे में एंड्रयूज पर ट्रंप की ओर से व्यक्तिगत स्वागत महज औपचारिकता नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक संकेत होगा।

अमेरिका और चीन रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन दोनों नेता यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह प्रतिस्पर्धा अनियंत्रित टकराव में न बदले। 24 सितंबर की बैठक में व्यापार, तकनीक और वैश्विक संघर्षों से जुड़े कठिन मुद्दों पर बातचीत होगी। लगभग चार वर्ष बाद दोनों नेता ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब व्यापार शुल्क, दुर्लभ खनिज, एआई, ताइवान, तथा यक्रेन और ईरान जैसे संघर्ष एक-दूसरे से जुड़ चुके हैं। यह मुलाकात रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को संवाद के जरिए नियंत्रित करने की परीक्षा भी है। भारत के लिए यह शिखर बैठक विशेष महत्व रखती है। नई दिल्ली वाशिंगटन, मॉस्को और बीजिंग के साथ संतुलन बनाए हुए है। ट्रंप व शी के बीच किसी भी समझ से भारत की रणनीतिक स्थिति सीधे नहीं बदलेगी, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय माहौल प्रभावित हो सकता है।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में व्यक्तिगत कूटनीति का महत्व बढ़ा है। उन्होंने लंबे संघर्षों में अमेरिकी भागीदारी कम करने की बात कही थी, लेकिन ईरान और यूक्रेन के मोर्चे अभी समाप्त नहीं हुए। इस परिस्थिति ने उन्हें सक्रिय बातचीत और समझौतों की ओर बढ़ाया है। ट्रंप का तरीका लेन-देन पर आधारित है। टैरिफ बातचीत का हथियार हैं, प्रतिबंध दबाव का साधन और आर्थिक संबंध रणनीतिक सौदेबाजी का हिस्सा। चीन इस नीति की सबसे बड़ी परीक्षा है, क्योंकि वह व्यापारिक शक्ति होने के साथ तकनीकी व सैन्य प्रतिद्वंद्वी तथा रूस और ईरान का महत्वपूर्ण साझेदार भी है।

चीन के साथ हर मोर्चे पर अनिश्चितकालीन टकराव अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी महंगा पड़ सकता है। नवंबर की व्यापार समय-सीमा करीब है और दुर्लभ खनिजों तथा तकनीकी प्रतिबंधों पर तनाव है। संबंधों के कुछ हिस्सों को स्थिर करने से ट्रंप को अन्य संकटों पर ध्यान केंद्रित करने की गुंजाइश मिल सकती है। वैसे बैठक का तत्काल मुद्दा व्यापार रहेगा। अमेरिका चीनी बाजार में अपने सामान के लिए अधिक पहुंच चाहता है, जबकि बीजिंग को अमेरिकी शुल्क व तकनीकी प्रतिबंधों में अधिक निश्चितता चाहिए। इसलिए दोनों पक्ष मौजूदा व्यापार संघर्ष-विराम को नवंबर के बाद भी बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

इस समय दुर्लभ खनिज अधिक रणनीतिक विषय हैं। इनके प्रसंस्करण में चीन की प्रमुख स्थिति इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, रक्षा और एआई जैसे क्षेत्रों को प्रभावित करती है। अमेरिका विश्वसनीय आपूर्ति चाहता है, जबकि चीन को उन्नत तकनीक पर अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील चाहिए।

अमेरिका ने चीनी कंपनियों पर अत्याधुनिक एआई तकनीक से संबंधित जानकारी हासिल करने के आरोप लगाए हैं, वहीं बीजिंग ने ये आरोप खारिज किये। अब एआई मॉडल, उन्नत सेमीकंडक्टर, कंप्यूटिंग क्षमता और आंकड़ों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा जा रहा है। शिखर बैठक में शुल्क में बदलाव जल्दी हो सकता है, लेकिन तकनीकी बढ़त आने वाले दशकों तक आर्थिक और सैन्य शक्ति को प्रभावित कर सकती है। वहीं, ताइवान वह मुद्दा है, जिसमें व्यापक समझ की संभावना सबसे कठिन हो सकती है। बीजिंग चाहता है कि वाशिंगटन ताइवान की आजादी का स्पष्ट विरोध करे, जबकि अमेरिका के सहयोगी यह देखेंगे कि क्या सुरक्षा प्रतिबद्धताएं आर्थिक सौदेबाजी का हिस्सा बन रही हैं। इस समय चीन के लिए ताइवान संप्रभुता का मूल प्रश्न है, तो अमेरिका के लिए यह हिंद-प्रशांत रणनीति और क्षेत्रीय सहयोगियों से जुड़ा है। इसलिए ट्रंप और शी यदि टकराव से बच जाएं, तो उनके बयानों का पूरे एशिया में बारीक विश्लेषण होगा।

जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ताइवान खासतौर पर वाशिंगटन की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं पर नजर रखेंगे। अमेरिका-चीन संवाद क्षेत्रीय तनाव को कम कर सकता है। यदि किसी समझौते को अमेरिकी प्रतिरोध क्षमता को कमजोर करने वाला माना गया, तो सहयोगी देशों में नई चिंताएं पैदा हो सकती हैं। यूरोप भी इस बैठक पर कड़ी नजर रखेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अमेरिका चीन के साथ ऐसा कोई बड़ा समझौता न करे, जिसका यूरोप की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

ईरान और यूक्रेन भी बातचीत से पूरी तरह बाहर नहीं रहेंगे। चीन के ईरान के साथ महत्वपूर्ण आर्थिक संबंध हैं, और रूस के साथ मजबूत रिश्ते हैं। वाशिंगटन चाहता है कि बीजिंग इन संबंधों का इस्तेमाल तेहरान और मॉस्को पर प्रभाव डालने के लिए करे, लेकिन चीन के अपने आर्थिक और रणनीतिक हित भी हैं।

ट्रंप और शी की बैठक का सबसे बड़ा महत्व शायद किसी एक समझौते में नहीं, बल्कि इस बात में होगा कि दोनों देश अपनी प्रतिद्वंद्विता को किस सीमा तक नियंत्रित कर पाते हैं। फिर भी संवाद का महत्व कम नहीं है। अमेरिका और चीन दोनों जानते हैं कि हर मोर्चे पर खुला टकराव उनके हित में नहीं है।

इस बैठक का आकलन इस आधार पर होगा कि वे किन मुद्दों को अनसुलझा छोड़ते हैं। आज की विभाजित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में प्रतिद्वंद्विता को खुले टकराव में बदलने से रोक पाना भी एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक लक्ष्य है।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

सड़कों पर लड़कियों का भी उतना ही अधिकार है जितना पुरुषों का

मेघना पंत

भारत में लड़कियों को नियमित रूप से दिए जाने वाले मशविरों में कुछ ऐसा है, जो हमारे समाज के बारे में बहुत कुछ उजागर करता है। यह कि उलझो मत, बहस मत करो, प्रतिक्रिया मत दो, उसे जाने दो, उसे रोकने की कोशिश मत करो, सावधान रहो। ये तमाम सलाहें व्यावहारिक लगती हैं, लेकिन ये थका देने वाली हैं। क्योंकि इनके पीछे यह धारणा है कि महिलाओं को पुरुषों की आक्रामकता से निपटना सीखना होगा।

कोई महिला जब नहीं' कहती है, तो उससे सबसे पहले यही अपेक्षा की जाती है कि वह अपने फैसले की वजह बताए। दूसरे, वह रास्ते से हट जाए। और तीसरे, वह सुनिश्चित करे कि जिस पुरुष को उसने नहीं' कहा है, वह नाराज न हो जाए। हाल में गुरुग्राम में हुई रोड-रेज की घटना इस बात को स्पष्ट रूप से सामने लाती है।

यह घटना सिया के साथ हुई। उनके मुताबिक, वे बाइक चला रही थीं, तभी एक कार उनका पीछा करने लगी। उन्होंने ड्राइवर से दूरी बनाए रखने को कहा, पर टकराव बढ़ता गया। उनका आरोप है कि कार ने उनकी बाइक के सामने अचानक दिशा बदल दी, जिससे वे सड़क पर जा गिरीं। पूरी घटना बाइक्स पर लगे कैमरों में रिकॉर्ड हो गई।

इस तरह के कैमरों की बड़ी अहमियत है। उनके बिना यह कहानी सड़क किनारे हुए एक और उलझे विवाद में बदल जाती : शुरुआत किसने की? कौन गलत तरीके से गाड़ी चला रहा था? क्या यह महज दुर्घटना थी? क्या यह रोड-रेज था?

क्या महिलाओं को गाड़ी चलानी चाहिए? लेकिन उस फुटेज ने महिला को वह चीज दी, जो अजनबियों के साथ होने वाले टकराव में उनके पास अकसर नहीं होती- यानी वास्तव में क्या हुआ, इसका प्रमाण। आरोपी ने कहा कि उसने जानबूझकर टक्कर नहीं मारी थी और टक्कर दुर्घटनावश हुई। लेकिन बाद में पुलिस ने सबूतों की समीक्षा करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया।

बिहार का जमुई मामला इस बात को और परेशान करने वाले तरीके से सामने लाता है। एक छात्रा और उसका सहपाठी कोचिंग से लौट रहे थे, तभी उन्हें रास्ते में रोक लिया गया, घेर लिया गया, परेशान किया गया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। पूरी घटना वीडियो में रिकॉर्ड हो गई और बाद में इसी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। अब तक तीन गिरफ्तारियां होने की खबर है। तो, कैमरा मायने रखता है।

सड़कें ऐसी जगह बनती जा रही हैं, जहां लड़कियों से सिर्फ यातायात ही नहीं, पुरुषों के एनटाइटलमेंट वाले रवैये से भी निपटने की अपेक्षा की जाती है। गुरुग्राम की घटना में सवाल यह है कि जब किसी टकराव के दौरान कोई महिला अपना स्पेस, अपने अधिकारों या अपनी गरिमा को छोड़ने से इनकार करती है, तब क्या होता है।

कुछ लोगों के लिए किसी महिला का एक पॉवरफुल बाइक चलाना अब भी इतना असामान्य है कि वे इसे उकसावे के तौर पर लेते हैं। जब कोई महिला कहती है- दूरी बनाए रखें, तो इसे सड़क पर कही गई एक सामान्य हिदायत के रूप में लेने के बजाय चुनौती या उद्दंडता के रूप में देखा जा सकता है। यह बड़ी समस्या है।

महिलाओं को सड़क पर कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर एक और लेक्चर की जरूरत नहीं है। भारत में महिलाओं से पूछिए कि वे सार्वजनिक जगहों पर कैसा महसूस करती हैं और ज्यादातर कहेंगी कि वे खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं।

यह खतरनाक है, क्योंकि इसका असर महिलाओं की शारीरिक और आर्थिक स्वतंत्रता पर पड़ता है। बदले की कार्रवाई या नुकसान के डर से महिलाएं घर में रह जाती हैं या सड़क पर हर समय बेहद सतर्क रहती हैं। इसकी कीमत को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

1857 की क्रांति के अमर सेनानी राजा राव तुलाराम

राव तुलाराम 1857 की क्रांति के समय अहीरवाल क्षेत्र में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के प्रमुख नेतृत्वकर्ता बनकर उभरे।

अहीरवाल की धरती वीरता, स्वाभिमान और बलिदान की गौरवशाली परंपरा की साक्षी रही है। इसी वीरभूमि ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ऐसे महान योद्धा को जन्म दिया, जिसने अंग्रेजी सत्ता के सामने झुकने के बजाय संघर्ष का रास्ता चुना। वह वीर थे रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम। 1857 का संग्राम भारतीय इतिहास की उन अहम घटनाओं में से है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहरी चुनौती दी। तत्कालीन संघर्ष अपने अंतिम उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सका, लेकिन इसने भारतीय समाज में स्वतंत्रता, स्वाभिमान और विदेशी शासन के विरुद्ध प्रतिरोध की भावना मजबूत की।

राजा राव तुलाराम का जन्म 9 दिसंबर, 1825 को रेवाड़ी के राजपरिवार में हुआ था। उनके पिता राव राजा पूर्ण सिंह और माता ज्ञान कुंवर थीं। पिता के निधन के बाद मात्र 14 वर्ष की आयु में उन्हें रेवाड़ी की राजगद्दी संभालनी पड़ी। समय के साथ उन्होंने अपनी राजनीतिक समझ, संगठन क्षमता और सैन्य नेतृत्व का परिचय दिया। 1857 की क्रांति के समय वे अहीरवाल क्षेत्र में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के प्रमुख नेतृत्वकर्ता बनकर उभरे। जब मेरठ से उठी क्रांति की लपटें दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचीं, तो उसका प्रभाव अहीरवाल पर भी पड़ा। दिल्ली में बहादुरशाह जफर को क्रांतिकारियों ने हिंदुस्तान का बादशाह घोषित किया। अंग्रेजों को गुड़गांव और आसपास के क्षेत्रों से पीछे हटना पड़ा। राव तुलाराम ने इस अवसर को अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध संगठित प्रतिरोध में बदल दिया। रेवाड़ी तथा आसपास के क्षेत्रों में उनका प्रभाव स्थापित हुआ और अंग्रेजी शासन को चुनौती दी।

अंग्रेजों ने राव तुलाराम की शक्ति को समाप्त करने के लिए सैन्य अभियान शुरू किया। इसी संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय बना नसीबपुर का युद्ध। 16 नवंबर 1857 को नसीबपुर, नारनौल के मैदान में राव तुलाराम की सेना और अंग्रेजी सेना के बीच भीषण युद्ध हुआ। ब्रिटिश सेना के कमांडर कर्नल जॉन ग्रांट गेरार्ड और कैप्टन वालेस मारे गए, जबकि कई ब्रिटिश अधिकारी घायल हुए। राव तुलाराम की सेना ने अंग्रेजी सेना को कड़ी चुनौती दी।

इस संघर्ष में राव तुलाराम के अनेक वीर सेनानायक और सैनिक शहीद हुए। राव किशन सिंह, राव रामलाल और शहजादा मोहम्मद आजम सहित अनेक योद्धाओं ने मातृभूमि के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

नसीबपुर का यह युद्ध अहीरवाल के इतिहास में आज भी वीरता और बलिदान के प्रतीक के रूप में स्मरण किया जाता है।

लेखिका हरियाणा सरकार में मंत्री हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

सेवा संकल्प अभियान से सजी तेज साहू की आत्मनिर्भरता और समृद्धि की राह

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित रिसाली नगर पालिक निगम के निवासी तेज कुमार साहू की जीवन यात्रा जन-कल्याण और निस्वार्थ सेवा के उस संकल्प को साकार करती है, जिसे केंद्र एवं राज्य शासन, सेवा के संकल्प के साथ धरातल पर उतार रही है। रिसाली बस्ती में शिवाजी चौक के पास झलक फैंसी स्टोर (ब्यूटी एवं फैशन एक्सेसरीज) का छोटा व्यवसाय चलाने वाले तेज कुमार जी लंबे समय से अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनकी इस कठिन राह को आसान बनाने और उन्हें शासकीय योजनाओं से सीधे जोड़ने का कार्य 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से संभव हुआ। तेज कुमार जी को 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि' (पीएम स्वनिधि) योजना की संपूर्ण जानकारी मिली और त्वरित सहायता प्रदान की गई। सेवा के इसी समर्पित भाव से उन्हें कार्यशील पूंजी का ऋण बिना किसी परेशानी के स्वीकृत हुआ, जिसका उपयोग उन्होंने अपनी दुकान में सौंदर्य व फैशन एक्सेसरीज की नई सामग्री शामिल करने के लिए किया। शिवाजी चौक रिसाली बस्ती के पास झलक फैंसी स्टोर जैसी मुख्य जगह पर दुकान होने और बेहतर स्टॉक उपलब्ध होने से उनकी दैनिक आय में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। शासन और प्रशासन द्वारा दी गई इस सुव्यवस्थित सेवा ने न केवल उनके व्यवसाय को नई गति दी, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया।

11,155 फीट की ऊंचाई पर हाफ मैराथन पूरी कर विनय पवार ने दर्ज की प्रेरणादायक उपलब्धि

भिलाई। बीएसपी में प्रबंधक (एलडीसीपी) के पद पर कार्यरत विनय कुमार ने लद्दाख की दुर्गम एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आयोजित हाफमैराथन में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए 11,155 फीट की ऊंचाई पर 21.1 किलोमीटर की दौड़ सफलतापूर्वक पूरी की। अत्यधिक ऊंचाई, कम ऑक्सीजन एवं कठिन पहाड़ी भू-भाग के बीच इस मैराथन को पूरा करना उनकी शारीरिक सहनशक्ति, दृढ़ संकल्प एवं अनुशासन का परिचायक है। भिलाई इस्पात संयंत्र में अपने नियमित कार्यदायित्वों के निर्वहन के साथ श्री विनय कुमार ने फिटनेस के प्रति निरंतर समर्पण एवं अनुशासन बनाए रखते हुए इस चुनौतीपूर्ण हाफ मैराथन के लिए स्वयं को तैयार किया। कार्यदायित्वों के साथ शारीरिक फिटनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इस उपलब्धि को विशेष बनाती है। उनकी यह उपलब्धि कार्य और फिटनेस के बीच संतुलन बनाए रखते हुए चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को हासिल करने का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है। विनय कुमार पवार की इस उपलब्धि पर उनके सहकर्मियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उपलब्धि यह संदेश देती है कि निरंतर अभ्यास, आत्मअनुशासन, लक्ष्य के प्रति समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को भी सफलतापूर्वक हासिल किया जा सकता है।

सिंटर प्लांट के कर्मचारियों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से किया गया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट में मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट) जगेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह में सिंटर प्लांट-2 एवं 3 के उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र में ऐसे कार्मिकों को शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है, जो उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन करते हैं तथा कंपनी के लक्ष्यों की प्राप्ति में अपने कार्य के प्रति नवीन एवं प्रभावी दृष्टिकोण का परिचय देते हैं। समारोह में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए सिंटर प्लांट-3 के प्रचालन अनुभाग से इंजीनियरिंग एसोसिएट नीलमाधव नायक, जूनियर इंजीनियर गोवर्धन एवं इंजीनियरिंग एसोसिएट खुमान लाल साहू तथा इलेक्ट्रिकल अनुभाग से इंजीनियरिंग एसोसिएट सल्हाई मरांडी को सम्मानित किया गया।

वहीं सिंटर प्लांट-2 के प्रचालन अनुभाग से जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट उदय कुमार राम, मेकेनिकल अनुभाग से जूनियर इंजीनियर सीता राम यादव एवं इलेक्ट्रिकल अनुभाग से जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट दोमू चंद कपूर को कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी राहुल बिजुरकर, महाप्रबंधक दामोदरन विजिथ, महाप्रबंधक डी. एस. परिहार, महाप्रबंधक एल. सी. पी. डोडी, महाप्रबंधक ए. के. बेडेकर एवं महाप्रबंधक एस. सी. चनवरिया ने पुरस्कार विजेताओं को प्रवीणता प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

21वीं राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में दुर्ग का शानदार प्रदर्शन, 37 पदक जीतकर बना उपविजेता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य ताइक्कांडो संघ, बिलासपुर के तत्वावधान में 18 से 20 सितंबर तक राज्य खेल प्रशिक्षण संस्थान, बहतराई, बिलासपुर में आयोजित 21वीं राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में दुर्ग जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में उपविजेता का खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के 18 जिलों से करीब 570 खिलाड़ी, कोच, मैनेजर एवं निर्णायकों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता के अंतिम परिणाम में मेजबान बिलासपुर प्रथम स्थान पर रहा, जबकि दुर्ग जिले ने 14 स्वर्ण, 13 रजत एवं 10 कांस्य पदक सहित कुल 37 पदक और 119 अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रायगढ़ तृतीय तथा कोरबा चतुर्थ स्थान पर रहा। दुर्ग जिले की टीम ने उपविजेता ट्रॉफी अपने नाम की।

जिला ताइक्कांडो संघ दुर्ग के सचिव राकेश पुरी गोस्वामी ने बताया कि टीम के मुख्य कोच अनिल कुमार देवांगन (चरोदा क्लब) रहे। सहयोगी कोच के रूप में ईशु यादव, मृत्युंजय प्रधान, उत्तम कुमार बौद्ध एवं चंद्रकुमार साहू ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। वहीं राष्ट्रीय रेफरी राकेश पुरी गोस्वामी, भुनेश्वरी ठाकुर एवं ज्योति वर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

स्वर्ण पदक विजेताओं में सुहाना गारुडीक, रोहित रघुनाथ नायर, शौर्य वर्मा, स्वतंत्र तिवारी, काव्य यादव, हर्षिता कुमारी, हर्ष कुमार शिववंशी, साक्षी चौहान, डी. अक्षया, शिवानी, टी. प्रणय कुमार, मोहित डहरिया, रिद्धी डहरिया, कुशमिता साहू, जतिन नायक एवं राजलक्ष्मी पटेल शामिल रहे।

रजत पदक ज्योति वर्मा, दुर्गेश मानिकपुरी, अक्षित भगत, मायरा निगम, रुचिका निषाद, इंद्रजीत चौधरी, श्वेता चौहान, पुष्पेन्द्र कुमार देवांगन, वात्सल्य बंकुरे, मोक्ष साहू, एन. निखिल राम, वाय. आरोही, सोनिया सोनी एवं कुलदीप कुमार सेन ने जीते।

वहीं कांस्य पदक हर्षित शर्मा, कंचन विश्वकर्मा, अभिजीत दुबे, आर्या मिश्रा, कायरा निगम, प्रिंस बंजारे, प्रियांशु सिंह चौहान, मानस कुमार, लिवेश कुमार वर्मा, वाय. रितिका, काव्य कुमार शिववंशी, आयुष यादव, तुष्य देवांगन, यथार्थ वर्मा एवं शौर्य सिंह चौहान ने हासिल किया।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर खिलाड़ियों का भव्य स्वागत: राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतकर दुर्ग लौटे खिलाड़ियों का दुर्ग रेलवे स्टेशन पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भव्य स्वागत किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को माला पहनाकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस उपलब्धि पर सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, जिला ताइक्कांडो संघ के कार्यकारिणी अध्यक्ष मोहन पुरी गोस्वामी, रोशन ताम्रकार, रिवेन्द्र यादव, अविनाश प्रताप सिंह, राजेश वर्मा, धनसिंह चंद्राकर सहित संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों, कोच एवं टीम के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों को अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

वरिष्ठजन कल्याण महासंघ द्वारा वैशाली नगर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वरिष्ठजन कल्याण महासंघ के तत्वावधान में श्री शंकराचार्य हास्पिटल एवं मेडिकल कालेज के सहयोग से कालीबाड़ी परिसर, वैशाली नगर भिलाई में मंगलवार को निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनेक चिकित्सा विशेषज्ञों ने सेवाएं दी। इस अवसर पर वरिष्ठजन कल्याण महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, महासचिव गोपाल प्रसाद तिवारी, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता, वार्ड पार्षद स्मिता दोड़के, श्रीमती शैलजा वार्ष्णेय, श्रीराम सिंधी पंचायत वैशाली नगर के पदाधिकारी दिलीप पवानी, सेवनदास रमानी, झूलेलाल विकास समिति कालीबाड़ी के पदाधिकारी अशोक चैतवानी विशेष रूप से उपस्थित थे।

चिकित्सा शिविर में श्री शंकराचार्य हास्पिटल एवं मेडिकल कालेज के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ निलांजना टोप्पो, डॉ मिथिलेश कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रेरणा अग्रवाल, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ पूजा शर्मा एवं डॉ स्निग्धा त्रिपाठी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ ग्यारसी लाल सोनी, सामान्य चिकित्सा विभाग डॉ समृद्ध नामजाशी ने शिविर में उपस्थित होकर मरीजों की निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय सलाह एवं आवश्यक मार्गदर्शन दिया। जरूरत मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी प्रदान की गई। मार्केटिंग हेड मानसी तांडी, विनीत राजपूत, वेदिका पटेल, नर्सिंग स्टाफ यास्मिन कुर्रे आदि ने स्वास्थ्य शिविर व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम देवांगन ने कहा कि रोग की पहचान शुरुआत में ही हो जाए इसलिए ऐसे स्वास्थ्य जांच शिविर आवश्यक है। क्षेत्र विशेष में जाकर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से अंचल के स्थानीय जरूरतमंद अशक्त लोगों एवं वरिष्ठ नागरिकों को विशेष लाभ मिलता है।

मृतक के परिजनों को मिली 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राकृतिक आपदा एवं दुर्घटनाओं में मृतकों के परिजनों को 04-04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नं. 01 नयापारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग निवासी पूर्णिमा बाई कौशल (उम्र 40 वर्ष) की 19 अगस्त 2025 को इंदिरा नगर नयापारा दुर्ग में खेत में कार्य के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार ग्राम कातरो थाना उतई तहसील व जिला दुर्ग निवासी चन्द्रकला साहू (उम्र 55 वर्ष) की 19 अगस्त 2025 को खेत में निदाई करने के दौरान अधिक बारिश होने तथा आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु हो गई थी। वहीं वार्ड नं. 21 ढांचा भवन कुरुद बी.टी.सी.आई.ई. भिलाई तहसील व जिला दुर्ग निवासी स्व. मोहम्मद साहिल अंसारी (उम्र 24 वर्ष) की 02 जून 2025 को मरोदा डेम नेवई में नहाते समय पानी में डूबने से मृत्यु हुई थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों (आरबीसी 6-4) के अनुरूप स्व. पूर्णिमा बाई कौशल के पति हेमप्रकाश कौशल को, आकाशीय बिजली से मृत स्व. चन्द्रकला साहू के पति झुमुक लाल साहू को तथा पानी में डूबने से मृत स्व. मोहम्मद साहिल अंसारी की माता श्रीमती मैमुल निशा को 4 लाख-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

सक्षम युवा शक्ति ही विकसित भारत की मजबूत आधारशिला : गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) द्वारा बीआईटी कॉलेज दुर्ग में आयोजित 11 दिवसीय एडवांस स्कील ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुभवों, सीख और भविष्य की योजनाओं के संबंध में चर्चा की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि युवाओं के कौशल, ज्ञान और व्यावसायिक क्षमता को निखारने की दिशा में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्तमान समय में कार्यक्षेत्र तेजी से बदल रहा है और नई तकनीकों के साथ नई संभावनाएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में युवाओं के लिए जरूरी है कि वे अपने शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल और प्रोफेशनल दक्षताओं को भी लगातार विकसित करें।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि एडवांस स्कील ट्रेनिंग प्रोग्राम जैसे प्रशिक्षण युवाओं को अपने ज्ञान को व्यवहारिक रूप से उपयोग करने, कार्यक्षेत्र की आवश्यकताओं को समझने और अपनी क्षमताओं को और बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने करियर की नई संभावनाओं को लेकर अधिक सजग एवं सक्षम बनते हैं। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने विकसित भारत के निर्माण का संकल्प देश के सामने रखा है। इस संकल्प को साकार करने में देश की युवा शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। युवाओं को अपने क्षेत्र में लगातार नई जानकारी प्राप्त करते हुए समय के साथ स्वयं को अपडेट रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए ज्ञान के साथ अनुशासन, मेहनत, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की इच्छाशक्ति आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने व्यावसायिक जीवन में उपयोग करें और अपनी सफलता के साथ समाज एवं राष्ट्र के विकास में भी योगदान दें। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी युवाओं के कौशल विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। शिक्षा और कौशल विकास के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सकता है। समापन समारोह में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने 11 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने आईसीएमएआई और बीआईटी, दुर्ग द्वारा युवाओं के कौशल विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया।

रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने तेज की संगठनात्मक तैयारियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आगामी रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियों को तेज कर दिया है। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति को धार देने के उद्देश्य से मंगलवार को रिसाली के मैत्री कुंज स्थित आशीर्वाद भवन में बड़ी संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की।

बैठक में भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही, जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन, कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास निगम के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष एवं रिसाली नगर निगम चुनाव प्रभारी अनुराग सिंह देव, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, छत्तीसगढ़ खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष राकेश पांडेय, तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशिला साहू, पूर्व विधायक सांवलाराम डहरे, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रितपाल बेलचंदन, रिसाली नगर निगम चुनाव सह प्रभारी डॉ. श्वेता शर्मा, अंशु चंद्रवंशी, जिला महामंत्री दिलीप साहू एवं विनोद अरोरा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में रिसाली नगर निगम चुनाव की तैयारियों, वार्डवार रणनीति, बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ताओं की भूमिका और जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को महापौर सहित सभी वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही चुनावी तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं से सुझाव भी लिए गए। भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि भाजपा ने राष्ट्रवाद की विचारधारा के साथ जनसेवा और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास और योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की सबसे बड़ी शक्ति कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की एकजुटता के साथ भाजपा रिसाली नगर निगम चुनाव में पूरी ताकत से मैदान में उतरेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि 'हमन जीतबो' के संकल्प के साथ एकजुट होकर महापौर सहित सभी वार्डों में पार्टी की जीत के लिए कार्य करें। कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का मूल आधार विकास, सुशासन और जनकल्याण है। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाएं तथा प्रत्येक वार्ड के नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित करें। सांसद विजय बघेल ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण से मजबूत हुआ है। चुनाव में प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और केंद्र व राज्य सरकार के विकास कार्यों तथा जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा संगठन पूरी तरह तैयार है। वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं की मेहनत से चुनावी तैयारियों को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'हमन जीतबो' के संकल्प के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में सक्रियता से कार्य करेगा। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करते हुए प्रत्येक मतदाता तक पहुंचना पार्टी की प्राथमिकता है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता संगठन और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। रिसाली नगर निगम क्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने लंबे समय से जनता के बीच रहकर सेवा का कार्य किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से वार्ड स्तर पर जनता से संवाद को और मजबूत करने तथा पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

सेवा संकल्प अभियान शासन की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम - मंत्री अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के मंत्री अरुण साव ने कोरबा जिला मुख्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की रूपरेखा, तिथि और आयोजन स्थलों को अंतिम रूप देते हुए सभी कार्यक्रमों को व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एक माह तक चलने वाले इस अभियान को सार्थक, प्रभावी और जनोन्मुखी स्वरूप देने के लिए शासन, प्रशासन तथा आमजन के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों का सुचारु एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन और विधायक प्रेमचंद पटेल भी बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 17 सितम्बर को आयोजित 'आशीर्वाद के दिया' कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि घर-घर दीप प्रज्ज्वलित कर जनभागीदारी का जो उत्साह देखने को मिला, वह अभियान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि 'मेरे सपनों का भारत' कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं ने चित्रकला और भाषण के माध्यम से देश के प्रति अपने विचार और कल्पनाओं को अभिव्यक्त किया। उन्होंने आगामी गतिविधियों में भी इसी उत्साह और सहभागिता को बनाए रखते हुए सभी कार्यक्रमों को उत्सव के रूप में आयोजित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'सेवा संकल्प अभियान' के शेष कार्यक्रमों के लिए तिथिवार कार्ययोजना तैयार करने, कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित करने तथा आयोजन स्थलों का चिन्हांकन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रमों की तिथि, स्वरूप एवं आयोजन स्थल की पूर्व जानकारी उपलब्ध कराने तथा निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सभी गतिविधियों का समय पर आयोजन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करते हुए अभियान की गतिविधियों को सफल बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक आयोजन में उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित हो और लोगों को सक्रिय रूप से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाए। अभियान के तहत गांवों और शहरों में स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए नदी-घाटों की साफ-सफाई, वृहद स्तर पर पौधरोपण, रक्तदान, अंगदान सहित विभिन्न जनसेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाए। इन कार्यक्रमों में अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए उन्हें सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और मानवता के प्रति संकल्प दिलाया जाए।

श्री साव ने कहा कि अभियान के दौरान केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को 'सेवा की कहानी' के रूप में संकलित कर लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं से लोगों के जीवन में आए वास्तविक परिवर्तन की प्रेरक कहानियां अभियान को और अधिक प्रभावी बनाएंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' सरकार की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों को आमजन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी मिले और वे उनके लाभ से जुड़ सकें, यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी गांवों और शहरों तक पहुंचाने के लिए मुनादी, बैनर, पोस्टर एवं अन्य प्रचार माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान की प्रत्येक गतिविधि में जनसेवा एवं जनभागीदारी की भावना को सशक्त बनाने तथा अधिकाधिक लोगों को इससे जोड़कर अभियान को सफल एवं सार्थक बनाने के निर्देश दिए।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत निर्धारित तिथियों के अनुरूप सभी कार्यक्रमों का समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान की गतिविधियों को जिला मुख्यालय से लेकर सभी नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाते हुए अधिकाधिक लोगों को इससे जोड़ा जाए तथा प्रत्येक कार्यक्रम में जनसहभागिता को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, स्व-सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अभियान को जनसेवा की भावना के साथ प्रभावी एवं सफल स्वरूप प्रदान किया जा सके। कोरबा जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह, गोपाल मोदी, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन, डीएफओ कटघोरा जितेंद्र उपाध्याय और निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

खास खबर

श्रमिक परिवारों को मिल रहा योजनाओं का सीधा लाभ

रायपुर। शासन के निर्देशानुसार एवं रायगढ़ जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और पात्र हितग्राहियों तक सीधे पहुंचाया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शिविरों और मैदानी स्तर पर हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें संबंधित योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इससे श्रमिक और ग्रामीण परिवारों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ रही है। इसी क्रम में रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम कोडकेल की पंजीकृत महिला श्रमिक देववंती सिदार को श्रम विभाग के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की मिनीमाता महतारी जतन योजना का लाभ मिला। प्रसव के बाद उनके आवेदन का त्वरित निराकरण करते हुए 20 हजार रुपए की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई। सेवा की कहानी में देववंती सिदार ने बताया कि उन्हें योजना की जानकारी आसानी से मिली और आवेदन की प्रक्रिया भी सरल रही। राशि सीधे खाते में मिलने से उन्हें काफी राहत मिली। प्रसव के बाद यह राशि मेरे और मेरे नवजात शिशु के स्वास्थ्य और पोषण की देखभाल में बहुत बड़ा सहारा बनी है।

स्टॉपडेम से खुशहाल हुए आदिवासी परिवार

रायपुर। कोरिया जिले के कदमनारा ग्राम पंचायत में एक पहाड़ी के नीचे जोबा पारा आश्रित ग्राम है। यंहा लगभग दो दर्जन आदिवासी परिवार निवासरत हैं। इसी पहाड़ी के नीचे बहने वाले नकटी नाले पर बने एक स्टॉपडेम बनने से इन किसान परिवारो का जीवन बदल रहा है। उचित स्थल चयन के साथ बने एक स्टॉपडेम की मदद से जोबापारा के दर्जनभर किसान परिवार खुशहाली की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। स्टॉपडेम से सिंचाई की सुविधा पाकर यंहा लगभग 30 एकड़ खेतों में धान की फसल लहलहा रही है। जोबापारा, कदमनारा ग्राम पंचायत में आश्रित ग्राम लगभग पहाड़ी पर बसा हुआ है। जिसके नीचे से नकटी नाले का बहाव है। यंहा की आबादी में आदिवासी परिवार बहुतायत में हैं। भूमि काफी ऊपर नीचे होने के कारण इन भौगोलिक परिस्थितियों में खेती करना बेहद चुनौती भरा है। नाले में पानी रहने के बाद भी यंहा रहने वाले किसान परिवार अपने खेतों में सिंचाई के लिए हमेशा परेशान रहते थे। लेकिन एक स्टॉपडेम ने सिंचाई की सभी मुसीबतें खत्म कर दी हैं। ग्राम पंचायत में उपस्थित होकर जोबा पारा के किसानों ने नकटी नाले पर एक स्टॉपडेम बनाए जाने की मांग रखी।

सेवा की कहानीः प्रधानमंत्री आवास योजना से महदई के परिवार को मिला सुरक्षित आशियाना

दूरस्थ वनांचल में पक्के घर का सपना हुआ साकार, सुरक्षित भविष्य का बढ़ा भरोसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में बदलाव की नई कहानी लिख रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आ रही ऐसी ही सेवा की कहानी सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के दूरस्थ ग्राम मयूरधक्की निवासी श्रीमती महदई गुर्जर की है। प्रधानमंत्री आवास योजना ने श्रीमती महदई के वर्षों पुराने पक्के घर के सपने को साकार कर उनके परिवार को सुरक्षित और बेहतर भविष्य का आधार दिया है।

श्रीमती महदई गुर्जर अपने परिवार के साथ लंबे समय से कच्चे मकान में रह रही थीं। कमजोर दीवारों और असुरक्षित छत के कारण परिवार को हर मौसम में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में घर की स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का मकान बनाना परिवार के लिए आसान नहीं था।

ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनी। योजना के अंतर्गत श्रीमती महदई गुर्जर को आवास निर्माण के लिए एक लाख 20 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत हुई।

योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उनके पक्के घर के निर्माण का रास्ता खोल दिया और देखते ही देखते वर्षों से देखा जा रहा सपना हकीकत में बदल गया। आज श्रीमती महदई अपने परिवार के साथ पक्के और सुरक्षित आवास में रह रही हैं। नए घर ने न केवल उन्हें मौसम की चिंता से राहत दी है, बल्कि परिवार के जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का भाव भी बढ़ाया है। कच्चे मकान की परेशानियां पीछे छूट गई हैं और परिवार अब अपने आशियाने में सुकून के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। अपनी खुशी साझा करते हुए श्रीमती महदई गुर्जर कहती हैं कि कच्चे घर में रहते हुए हर बारिश चिंता लेकर आती थी, लेकिन अब सिर पर सुरक्षित छत है और मन में सुकून। पक्का घर हमारे लिए सपने जैसा था, जो प्रधानमंत्री आवास योजना से आज सच हो गया है। उनके लिए यह घर केवल ईंट और दीवारों से बना मकान नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का नया आधार है।

स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद थीम पर बुनगा में विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले के शासकीय आयुर्वेद औषधालय बुनगा द्वारा 'स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद' थीम पर विभिन्न जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य गतिविधियों का आयोजन किया गया।

आयोजन के तहत नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर, काढ़ा वितरण, नशामुक्ति शपथ एवं जागरूकता, स्वच्छता जागरूकता, मितानिन प्रशिक्षण, योग शिविर तथा औषधीय पौधारोपण जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। छिछोर उमरिया, सिहा, ठाकुरपाली, गोतमा एवं स्कूल पारा बुनगा में लगाए गए चिकित्सा शिविरों में कुल 458 मरीजों को आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श प्रदान कर नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविरों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, वातरोग, ऋतुचर्या एवं योगाभ्यास सहित विभिन्न आयुर्वेदिक विषयों पर आधारित पाम्पलेट वितरित कर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही आयुर्वेद और प्रकृति के समन्वय का संदेश देते हुए 100 औषधीय पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

गांव के सामुदायिक भवनों एवं चौक-चौराहों पर आयोजित इन गतिविधियों में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. जागृति पटेल, फार्मासिस्ट भोज मालाकार, वर्षा ठेठवार, योग प्रशिक्षक दुलामनी रजक, सरपंच एवं मितानिनों का सक्रिय योगदान रहा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल से भटगांव विधानसभा के 7 धान उपार्जन केंद्र होंगे सुविधा संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसानों को धान उपार्जन के दौरान बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भटगांव विधानसभा क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की गई है। भटगांव विधायक एवं कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र के 7 धान उपार्जन केंद्रों में पक्के फड़ निर्माण एवं समतलीकरण कार्य के लिए 69.58 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है।

इससे इन केंद्रों में आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी और किसानों को धान बेचने के दौरान अधिक व्यवस्थित एवं सुविधाजनक वातावरण मिलेगा।

स्वीकृत कार्यों में सूरजपुर विकासखंड के टमकी, सिरसी, करोटी बी, खोपो, बतरा, सांवारांवां एवं कुर्रीडीह स्थित धान उपार्जन केंद्र शामिल हैं। प्रत्येक केंद्र में 9.94 लाख रुपए की लागत से पक्के फड़ निर्माण एवं समतलीकरण का कार्य किया जाएगा। धान उपार्जन केंद्रों में पक्के फड़ और समतलीकरण होने से उपार्जन व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित होगी। इससे धान की आवक, खरीदी और रख-रखाव के दौरान होने वाली व्यावहारिक परेशानियों को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही किसानों को उपार्जन केंद्रों पर बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में यह कार्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को गति देने के क्रम में यह स्वीकृति एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा भटगांव विधानसभा क्षेत्र में किसानों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने के प्रयासों का यह एक और परिणाम है। इससे धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था मजबूत होने के साथ किसानों को सुविधाजनक उपार्जन व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

जनसेवा ही सुशासन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः मंत्री राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों एवं आगंतुकों से भेंट की। इस दौरान उन्होंने आमजन से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी मांगों, समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विषयों पर आवश्यक जानकारी ली।

जनदर्शन में दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से मंत्री अग्रवाल को अवगत कराया। मंत्री अग्रवाल ने प्रत्येक व्यक्ति की बात को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निवारण के साथ ही प्रकरणों पर समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा पात्र लोगों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनसेवा ही सुशासन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश की जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना शासन की जिम्मेदारी है। आमजन से निरंतर संवाद के माध्यम से उनकी आवश्यकताओं को समझते हुए प्रभावी निराकरण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक की समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को अपनी बात सीधे रखने का अवसर मिल रहा है और प्राप्त प्रकरणों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी समस्याओं के साथ विभिन्न सुझाव भी साझा किए। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि आमजन के सुझाव शासन की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

मंत्री राजवाड़े पहुंचीं ग्राम कुंजनगर, महिलाओं से किया आत्मीय संवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहीं महिलाओं से सीधे संवाद की पहल को आगे बढ़ाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ग्राम कुंजनगर पहुंचीं। उन्होंने महिलाओं और अन्य हितग्राहियों से आत्मीय संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभ, उनके अनुभवों और परिवार के जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली।

मंत्री राजवाड़े ने विशेष रूप से महतारी वंदन योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राही महिलाओं से बातचीत की। उन्होंने जाना कि योजनाओं से प्राप्त आर्थिक सहायता महिलाओं की दैनिक आवश्यकताओं, परिवार के खर्च और मातृत्व से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में किस प्रकार सहयोगी बन रही है। महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शासकीय योजनाओं से उन्हें आर्थिक संबल और आत्मविश्वास मिला है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाएं महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ मातृत्व और परिवार के बेहतर पोषण में भी सहयोग प्रदान कर रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से इन योजनाओं के वास्तविक लाभ और हितग्राहियों के अनुभवों को सामने लाने के साथ शासन और जनता के बीच सीधा संवाद मजबूत किया जा रहा है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्रामीण महिलाओं की बातों को गंभीरता से सुना और योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े उनके अनुभव जाने। महिलाओं से हुआ यह संवाद महिला सशक्तिकरण, जनभागीदारी और सेवा की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आयुष्मान कार्ड बना मालती बंजारे के लिए इलाज का सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम मुच्छमल्दा निवासी 53 वर्षीय मालती बंजारे लंबे समय से बच्चेदानी संबंधी स्वास्थ्य समस्या से परेशान थीं। बीमारी के कारण उन्हें रोजमर्रा के कामों में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चेदानी के ऑपरेशन (हिस्टेरेक्टॉमी) की सलाह दी।

परिवार के सामने इलाज के खर्च को लेकर चिंता थी, लेकिन मालती बंजारे के पास आयुष्मान कार्ड होने से उपचार का रास्ता आसान हो गया। आयुष्मान भारत योजना के तहत उन्हें नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिली और आवश्यक जांच के बाद बच्चेदानी का सफल ऑपरेशन किया गया। योजना के अंतर्गत उपचार मिलने से परिवार को इलाज के खर्च का आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ा।

ऑपरेशन के बाद मालती की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हुआ। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी में आवश्यक उपचार एवं परामर्श के बाद उन्हें स्वस्थ अवस्था में घर भेज दिया गया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

डीप नेक चोली और रेड लहंगा, बोल्ड ट्रेडिशनल लुक से दिशा ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

बॉलीवुड की सबसे फिट और स्टनिंग अभिनेत्रियों में शुमार दिशा पाटनी एक बार फिर अपने नए और दिलकश अंदाज से सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली दिशा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पारंपरिक रेड लहंगे में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं।

वेस्टर्न आउटफिट्स में तहलका मचाने के बाद, दिशा का यह देसी लेकिन बेहद ग्लैमरस अवतार इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। दिशा ने रॉयल रेड कलर का भारी कढ़ाई वाला लहंगे का सेट पहना है। इस पारंपरिक एथनिक आउटफिट पर बारीक सुनहरे और रेशमी धागों की डिटेलिंग, फ्लोरल मोटिफ्स और बॉर्डर पर खूबसूरत गोटा-पट्टी या एम्बेलिशमेंट वर्क नजर आ रहा है।

आउटफिट का सबसे मुख्य आकर्षण उनकी डीप-कट नेकलाइन वाली स्लीवलेस क्रॉप चोली है। यह चोली उनके स्लीक बॉडी कर्व्स और टोंड फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही है।

इसके साथ दिशा ने मैचिंग रेड नेट का दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर लाइट सीक्वेंस और कट-वर्क बॉर्डर बना हुआ है। इस क्लासिक और बोल्ड लहंगे का चुनाव उन्हें एक आधुनिक राजकुमारी जैसा लुक दे रहा है।

तस्वीरों में दिशा पाटनी का आत्मविश्वास और उनका कातिलाना पोज देने का अंदाज साफ झलक रहा है। अलग-अलग एंगल्स में कराए गए इस फोटोशूट में दिशा ने कभी कैमरे की ओर देखते हुए नशीली निगाहों से पोज दिया है, तो कभी नीचे झुककर अपने हेयरस्ट्रैंड्स को संभालते हुए एक सिड्यूक्टिव लुक दिया है।

अपने इस पारंपरिक लुक को दिशा ने बहुत ही बैलेंस्ड मेकअप और हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया है। उन्होंने अपने लंबे, घने और डार्क बालों को पूरी तरह से खुला रखा है। बालों में हल्की सी मेसी और नेचुरल वेव्स उनके चेहरे पर गिरती हुई बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

मेकअप की बात करें तो दिशा ने मैट-फिनिश बेस के साथ स्मोकी आइज, परफेक्टली शेप्ड आईब्रोज और प्लम/न्यूड-शेड लिपस्टिक का चुनाव किया है। गालों पर लगा हल्का सा ब्लश उनके चेहरे की प्राकृतिक चमक को बढ़ा रहा है।

अपने इस बोल्ड एथनिक लुक में विंटेज टच देने के लिए दिशा ने हेवी स्टेटमेंट इयररिंग्स चुने हैं। हाथों में बारीक डिजाइन वाले कुंदन और पन्ने जड़े कड़े तथा उंगलियों में बड़ी सी कॉकटेल रिंग उनके हाथों की शोभा बढ़ा रही है।

दिशा पाटनी का यह नया फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वे न केवल मॉडर्न और बिकिनी लुक्स में परफेक्ट दिखती हैं, बल्कि जब बात एथनिक या इंडियन वियर की आती है, तो भी वे अपने स्टाइल और बोल्डनेस के अनोखे मेल से हर किसी को अपना दीवाना बना सकती हैं।

फिल्म 'सोहला' को प्रेजेंट कर रहीं सोनाली बेंद्रे

पोस्टर के साथ किया रिलीज की तारीख का एलान

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे एक नई फिल्म 'सोहला' को प्रेजेंट करने वाली हैं। उन्होंने इस फिल्म का पोस्टर जारी किया है। जानिए इस फिल्म को लेकर उन्होंने क्या कहा है। सोनाली बेंद्रे लंबे अरसे के बाद 2013 में फिल्मों में वापस लौटी थीं। इसके बाद से वह फिल्मों और सीरीज में काम करती रही हैं। अब वह अपकमिंग फिल्म 'सोहला' से बातौर प्रेजेंटर जुड़ी हैं। यह फिल्म परिवार, सपनों और उन फैसलों के बारे में है, जो हमारी जिंदगी को आकार देते हैं। इसकी कहानी 13 साल की जोशीले लड़के 'पश्या' के इर्द-गिर्द घूमती है।

क्या है 'सोहला' का मतलब?

फिल्म का नाम 'सोहला' है। इसका मतलब है जश्न। यह एक ऐसी रस्म है जो किसी लड़के के बड़े होने के सफर में बहुत अहमियत रखती है। यह रस्म परिवार और करीबी लोगों के साथ मनाई जाती है और इसमें लड़का पहली बार अपने पिता की चप्पलें पहनता है। यह काम उसके बचपन से जवानी की ओर बढ़ने का प्रतीक है। पश्या के लिए, यह रस्म एक खास मौका है, जिसका उसे बेसब्री से इंतजार रहता है। इस मौके पर नए कपड़े, आशीर्वाद, मिठाइयां, हंसी-मजाक और परिवार के साथ गांव के मंदिर जाने का मौका मिलता है। पहली बार अपने पिता की चप्पलें पहनना उसके जीवन का एक अहम पल होता है। हालांकि, उसके तैयार होने से पहले ही हालात कुछ ऐसे हो जाते हैं कि उसे कुछ ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं, जो आगे की कहानी तय करते हैं।

फिल्म के बारे में जानकारी

इस फिल्म के निर्देशक सैकत बागबान हैं। इसे रोज ऑडियो विजुअल्स के बैनर तले गोल्डी बहल ने प्रोड्यूस किया है। यह 16 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका ट्रेलर 29 सितंबर को जारी किया जाएगा।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है सुप्त विरासन, कमर दर्द और थकान से मिलेगा आराम, मन होगा शांत

योग में कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो शारीरिक मुद्रा (पोश्चर) को सुधारने के साथ-साथ मन को भी गहरी शांति प्रदान करते हैं। सुप्त वीरासन उन्हीं विशेष आसनों में से एक है। नियमित रूप से इस आसन का अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी और कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है, साथ ही जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव (स्ट्रैच) भी आता है।

सुप्त विरासन दो शब्दों से मिलकर बना है – सुप्त का अर्थ है लेटा या सोया हुआ और विरासन का अर्थ है वीर या योद्धा की मुद्रा में बैठना। इस आसन में विरासन में बैठकर पीछे की ओर लेटा जाता है, जिससे शरीर को एक गहरा स्ट्रेच और पूर्ण विश्राम का अनुभव होता है। यह न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत करता है, बल्कि थके हुए पैरों को आराम, कमर दर्द से राहत और मन को गहरी शांति प्रदान करता है।

आयुष मंत्रालय ने सुप्त वीरासन को महत्वपूर्ण योगासन बताया है, जिसे सामान्य बोलचाल या कुछ क्षेत्रीय ग्रंथावलियों में सुप्त वज्रासन से मिलता-जुलता या इसका ही एक रूप माना जाता है। यह आसन शरीर को नई ऊर्जा और मानसिक शांति प्रदान करने के लिए एक बेहतरीन पुनर्स्थापनात्मक अभ्यास है।

यह पेट की मांसपेशियों को भी स्ट्रेच करता है, जिससे पाचन शक्ति दुरुस्त होती है और कब्ज आदि में राहत मिलती है। साथ ही, यह छाती व हृदय केंद्र (अनाहत चक्र) को खोलता है, जिससे गहरी सांस लेने में मदद मिलती है और मानसिक तनाव व अवसाद कम होता है। लंबे समय तक खड़े रहने या पैदल चलने/साइकिल चलाने के बाद पैरों की थकान को तुरंत दूर करने में यह बेहद प्रभावी है।

इस योगासन को करने का सबसे अच्छा समय दोपहर के भोजन या रात के खाने के 15-20 मिनट बाद है। यह पाचन क्रिया को सुचारू बनाने में भी सहायक होता है। अगर आप इसे करने में सहज महसूस करते हैं, तो इसे अवश्य करें।

यदि कोई व्यक्ति घुटनों, टखनों या पीठ के निचले हिस्से (कमर) में गंभीर दर्द या चोट से ग्रसित है, तो वह इस आसन को करने से बचें। वहीं, गर्भवती महिलाओं को इस आसन को करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

प्रतीभा रांटा ने 'द रेवोल्यूशनरीज' में अपने किरदार को लेकर की बात

कहा- जिज्ञासु थी प्रतिभा लाहिड़ी और पढ़ने की थी शौकीन

'द रेवोल्यूशनरीज़' में स्वतंत्रता सेनानी प्रतिभा लाहिड़ी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने सीरीज में अपने किरदार के बारे में जानकारी दी है। प्रतीभा रांटा ने कहा, हमें सार्वजनिक तौर पर प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिलती है और यही बात निखिल सर ने भी मुझसे कही थी, जब हम प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में चर्चा किया करते थे। जब चंद्रशेखर आजाद अंग्रेजों से लड़ रहे थे, तब उनकी बंदूक में एक आखिरी गोली बची थी। उसी समय उन्होंने खुद को गोली मार ली, ताकि अंग्रेज उन्हें पकड़कर मुठभेड़ में न मार सकें। इसके बाद प्रतिभा लाहिड़ी ने उनके अस्थि-अवशेषों की राख युवा क्रांतिकारियों के माथे पर लगाई थी। अब आप ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचिए, जो यह समझने में सक्षम हो कि यह एक युवा पीढ़ी है।

उन्होंने आगे कहा, उन्हें यह बताना जरूरी था कि देश को आजादी दिलाने के लिए किस तरह का बलिदान दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित करना कि उस संदेश को आगे पहुंचाया जाए। तो जब वह 17 साल की रही होंगी, तब वह कैसी रही होंगी? उस समय उन्हें किन सामाजिक मानदंडों से लड़ना पड़ता होगा? वह दुनिया को किस नजरिए से देखती होंगी? मेरे लिए प्रतिभा लाहिड़ी एक जिज्ञासु लड़की थीं। वह अपने आसपास हो रही हर चीज के बारे में जानना चाहती थीं।

अभिनेत्री ने आगे बताया, वह पढ़ने की बहुत शौकीन थीं। उनकी पढ़ाई में भी काफी दिलचस्पी थी। दरअसल, प्रतिभा और सचिंद्र नाथ सान्याल के बीच जिन पत्रों का आदान-प्रदान हुआ था, उन सभी को वह हल कर लेती थीं, क्योंकि वह बहुत होशियार और तेज-तर्रार थीं। वह कोडेड पत्रों को समझ लेती थीं। यह वाकई बिल्कुल अद्भुत था।

'द रेवोल्यूशनरीज' चार स्वतंत्रता सेनानियों रास बिहारी बोस, प्रतिभा लाहिड़ी, सचिंद्र नाथ सान्याल और बाघा जतिन की कहानी है, जिन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ मोर्चा संभाला था। यह सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सीरीज में रोहित सराफ, प्रतीभा रांटा, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

यह शो उन भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी बताता है, जो मानते थे कि ब्रिटिश राज को खत्म करने के लिए सशस्त्र प्रतिरोध न केवल जरूरी था, बल्कि अपरिहार्य भी था। इन क्रांतिकारियों के लगातार प्रयासों के कारण ही ब्रिटिश साम्राज्य को अपनी राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करना पड़ा था। 'द रेवोल्यूशनरीज' को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जा सकता है।

जिम के तौलिए को ताजा रखने के लिए अपनाएं ये पांच तरीके

जिम में पसीना पोछने के लिए तौलिए का इस्तेमाल करना रोजमर्रा की आदत बन जाती है, लेकिन अगर तौलिया साफ और ताजा न हो तो यह न केवल बदबू फैलाता है, बल्कि त्वचा पर भी असर डाल सकता है। इसलिए जिम के तौलिए को साफ और ताजा रखना बहुत जरूरी है। आइए कुछ ऐसे आसान तरीके जानते हैं, जिनके जरिए आप अपने जिम के तौलिए को हमेशा साफ-सुथरा और खुशबूदार रख सकते हैं।

गीले तौलिए को तुरंत धोएं

जिम से लौटने के बाद गीले तौलिए को तुरंत धोना सबसे जरूरी होता है। अगर गीले तौलिए को धोए बिना छोड़ दिया जाए तो उसमें कीटाणु और गंध पैदा होने लगती है। हल्के गर्म पानी में थोड़ा साबुन डालकर तौलिए को अच्छी तरह धोएं। धोने के बाद इसे धूप में सुखाएं ताकि यह पूरी तरह से सूख जाए।

धूप में सूखने से तौलिए में किसी भी तरह के कीटाणु खत्म हो जाते हैं।

नियमित सफाई करें

जिम के तौलिए को हफ्ते में कम से कम एक बार अच्छी तरह से धोना चाहिए। यह आदत तौलिए को साफ और पसीने की गंध से दूर रखती है।

धोने के लिए हल्के साबुन का इस्तेमाल करें और ज्यादा रगडने् से बचें ताकि तौलिए का कपड़ा खराब न हो।

धोने के बाद इसे हमेशा खुली और हवादार जगह पर सुखाएं। इस आदत से आपका तौलिया साफ और लंबे समय तक इस्तेमाल के लायक बना रहेगा।

तौलिए को अलग रखें

जिम के तौलिए को अन्य सामानों से अलग रखना बहुत जरूरी है। अगर तौलिए को गंदे कपड़ों या जूतों के साथ रखा जाए तो उसमें बदबू और कीटाणु फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

तौलिए को हमेशा अलग पॉलीथिन या कपड़े के थैले में रखें। इसके अलावा कभी भी गीले तौलिए को बैग में न रखें क्योंकि इससे नमी बढ़ती है और कीटाणु जल्दी पनपते हैं।

इस आदत से तौलिए को लंबे समय तक ताजा रखा जा सकता है।

हवा लगने दें

जिम से लौटने के बाद तौलिए को तुरंत खुली हवा में लटका दें। इससे तौलिए में मौजूद नमी जल्दी सूख जाती है और उसमें कीटाणु पनपने का खतरा कम होता है।

अगर धूप उपलब्ध हो तो तौलिए को धूप में सुखाएं। धूप के संपर्क में आने से तौलिए की गंध दूर होती है और यह ताजा महसूस होता है। ध्यान रखें कि तौलिए को कभी भी गीला या नमी भरा न छोड़ें।

खुशबू बनाए रखें

तौलिए में ताजगी बनाए रखने के लिए आप घर पर ही तैयार किए गए स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पानी में थोड़ा नींबू का रस या गुलाबजल मिलाकर इसे तौलिए पर हल्के से छिड़कें। इससे न केवल तौलिए में ताजगी बनी रहती है, बल्कि यह गंध को भी दूर करता है।

यह तरीका खासकर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो अपने तौलिए को लंबे समय तक ताजा रखना चाहते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर 'दायरा' और 'वाइब' की रफ्तार धीमी, 'मिर्जापुर: द मूवी' की कमाई जारी

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्मों के बीच कमाई को लेकर मुकाबला जारी है। करीना कपूर की फिल्म 'दायरा' और कुणाल खेमू तथा प्रीति जिंटा अभिनीत 'वाइब' को रिलीज हुए तीन दिन पूरे हो चुके हैं। दोनों फिल्मों की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षाकृत धीमी रही है। वहीं, अली फजल की 'मिर्जापुर द मूवी' लगातार दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है।

सैकनिल्क के अनुसार, करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत 'दायरा' ने रिलीज के तीसरे दिन 1.75 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म ने दूसरे दिन भी 1.75 करोड़ रुपये जुटाए थे, जबकि पहले दिन इसकी कमाई 1 करोड़ रुपये रही थी। इस तरह तीन दिनों में फिल्म का कुल कारोबार 4.50 करोड़ रुपये हो गया है।

फिल्म में करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। शुरुआती तीन दिनों के आंकड़ों के आधार पर फिल्म की कमाई की रफ्तार फिलहाल धीमी बनी हुई है।

कुणाल खेमू और प्रीति जिंटा की फिल्म 'वाइब' ने तीन दिनों में 'दायरा' के मुकाबले अधिक कारोबार किया है। फिल्म ने तीसरे दिन 3 करोड़ रुपये कमाए। इससे पहले दूसरे दिन इसकी कमाई 2.75 करोड़ रुपये रही थी, जबकि पहले दिन फिल्म ने 1.70 करोड़ रुपये जुटाए थे। तीन दिनों में 'वाइब' का कुल कारोबार 7.45 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म में कुणाल खेमू और प्रीति जिंटा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इन दोनों नई फिल्मों के बीच अली फजल की 'मिर्जापुर द मूवी' भी सिनेमाघरों में अपनी पकड़ बनाए हुए है। फिल्म ने रिलीज के 17वें दिन 5 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 215.70 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

खास-खबर

आयुर्वेद दिवस पर निकली जागरूकता रैली

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर मंगलवार को आयुष विभाग एवं मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली सुबह 7 बजे जिला आयुष कार्यालय से शुरू होकर कमला नेहरू पार्क तक पहुंची। आयुष विभाग और मेडिकल कॉलेज के संयुक्त आयोजन का उद्देश्य आयुर्वेद एवं योग के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। रायगढ़ जिले के कमला नेहरू पार्क में मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने 'स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद' थीम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के जरिए आयुर्वेद के महत्व और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। पार्क में मौजूद लोगों ने छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने योग का प्रदर्शन किया और नियमित योग को स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में करीब 150 लोगों ने सहभागिता की।

नहीं बदले जाएंगे 10वीं-12वीं के पैटर्न : असेसमेंट स्कीम में भी बदलाव नहीं

रायपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2027 में होने वाली दसवीं व बारहवीं परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। सीबीएसई ने परीक्षा की तैयारी के लिए इन दोनों कक्षाओं के सैंपल क्वेशन पेपर और मार्किंग स्कीम जारी की है। विद्यार्थी विषयवार सैंपल पेपर और अंक योजना सीबीएसई की एकेडमिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि असेसमेंट स्कीम में कोई बदलाव नहीं किया है। प्रश्न पत्र का डिजाइन और मूल्यांकन प्रक्रिया बीते साल की तरह ही होगी।

किसानों को मिला वैज्ञानिक खेती का संदेश

सुकमा। कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा के मुरतोंडा स्थित प्रक्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विभाग एवं भारतीय किसान संघ के संयुक्त तत्वावधान में भगवान बलराम जयंती को किसान दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में जिले के करीब 113 किसानों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि भारतीय किसान संघ के जिला महामंत्री धरम नाग एवं किसान मित्र जिला अध्यक्ष मंगल बघेल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बलराम की पूजा-अर्चना से हुई। इस दौरान किसानों को कृषि क्षेत्र में भगवान बलराम के योगदान और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता से अवगत कराते हुए कृषि को आधुनिक, वैज्ञानिक और टिकाऊ बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की 87वीं बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार को मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की 87वीं मंडल सम्मिलन बैठक मंडल मुख्यालय, नवा रायपुर अटल नगर में मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश में आवासीय एवं व्यावसायिक सुविधाओं के विस्तार, नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने, भवनों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने तथा हितग्राहियों को राहत देने से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में मंडल की चिन्हित एवं स्वामित्व वाली भूमियों पर इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए चार्जिंग स्टेशनों के डिजाइन, वित्त पोषण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग, संचालन एवं रखरखाव की व्यवस्था के लिए लाइसेंस फीस मॉडल के तहत एजेंसी को भूमि उपयोग का अधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया को मंजूरी दी गई है।

इस निर्णय से मंडल की विभिन्न आवासीय योजनाओं और प्रमुख क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे ईवी उपयोगकर्ताओं को आवश्यक सुविधा उपलब्ध होने के साथ प्रदेश में स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में मंडल की बहुमंजिला आवासीय एवं व्यावसायिक इमारतों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए फायर सेफ्टी ऑडिट कराने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके अंतर्गत भवनों में उपलब्ध अग्नि सुरक्षा उपकरणों, आपातकालीन व्यवस्थाओं और निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुपालन की नियमित जांच सुनिश्चित की जाएगी।

फायर सेफ्टी ऑडिट के लिए नेशनल बिल्डिंग कोड-2016 के भाग-4 तथा छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपात सेवा अधिनियम, 2018 के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए योग्य फायर सेफ्टी ऑडिटरों एवं फर्मों के एम्पेनलमेंट की प्रक्रिया को भी मंजूरी प्रदान की गई है। इससे भवनों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा और कमियों के समयबद्ध निराकरण की दिशा में व्यवस्था मजबूत होगी। बैठक में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव, मंडल आयुक्त श्री अवनीश कुमार शरण, वित्त संचालक श्री ऋषभ पाराशर, विशेष सचिव आवास एवं पर्यावरण देवेन्द्र भारद्वाज, नगर तथा ग्राम निवेश के संदीप बांगड़े, जी.आर. रावटे, मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी हितेश बोराड तथा क्षेत्रीय प्रमुख हुडको सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बकाया राशि एकमुश्त जमा करने वाले हितग्राहियों को राहत

मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि हितग्राहियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से बकाया राशि एकमुश्त जमा करने वाले हितग्राहियों के लिए विलंबित अवधि के ब्याज तथा वाटर चार्ज के सरचार्ज में 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे बकाया राशि का एकमुश्त भुगतान करने वाले हितग्राहियों को आर्थिक राहत मिलेगी और लंबित देयताओं के निराकरण को प्रोत्साहन मिलेगा। बैठक में प्रदेश की विभिन्न आवासीय योजनाओं के अंतर्गत विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए लगभग 55 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इससे विभिन्न क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं के विस्तार के साथ आवश्यक अधोसंरचना एवं निर्माण कार्यों को गति मिलेगी।

भूमि आवंटन, क्वींस क्लब और नामांतरण शुल्क से जुड़े भी लिए गए निर्णय

बैठक में शैक्षणिक प्रयोजन के लिए आरक्षित भूखंडों के आवंटन संबंधी निर्देश-2026 में विकसित भूमि के प्रीमियम में आंशिक संशोधन को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार क्वींस क्लब ऑफ इंडिया, रायपुर के विकास, संचालन एवं रखरखाव के लिए लाइसेंस आधार पर पीपीपी मोड के तहत एजेंसी नियुक्त करने की स्वीकृति प्रदान की गई। मंडल की आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों के हस्तांतरण से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बिना विक्रय अनुमति के आवासीय भवन/भूखंड अथवा व्यावसायिक भवन/भूखंड का विक्रय किए जाने की स्थिति में हस्तांतरण/नामांतरण शुल्क दोगुना भारित कर हस्तांतरण/नामांतरण किए जाने की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

सेवा संकल्प अभियान: सभी कार्यक्रमों का बेहतर आयोजन हो - मंत्री जायसवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलौदाबाजार भाटापारा जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को जिला प्रवास के दौरान संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष मे सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान अंगदान का संकल्प लेने वाले 5 दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया और उन्हें प्रेरणास्रोत बताया। अंगदान संकल्प लेने वालों मे जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल,फिरतराम साहू, पुष्पा साहू,भाटापारा से वेदराम आनंद एवं रेशमा बाई शामिल हैं।

प्रभारी मंत्री जायसवाल ने 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को अति महत्वपूर्ण बताते हुए सभी कार्यक्रमो का बेहतर आयोजन सुनिश्चित करने एवं अधिक से अधिक जनसहभागिता हेतु आवश्यक निर्देश एवं मार्गदर्शन दिये। उन्होंने आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का जिले मे बेहतर आयोजन की सराहना की और आगामी सभी कार्यक्रम को गरिमापूर्ण आयोजन की बात कही।

बैठक मे आगामी सभी कार्यक्रमों की तैयारी के सम्बन्ध मे विस्तृत समीक्षा की।उन्होंने मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम अंतर्गत विद्यालय स्तर से ब्लॉक एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये विद्यार्थियों की संख्या निर्धारण करने कहा। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम अंतर्गत अंगाबाड़ी कार्यकर्त्ता,सहायिका मितानिन का सम्मान,गर्भवती माताओ व बच्चों का हेल्थ चेक -अप एवं खेलकूद आयोजित करने के निर्देश दिये।सेवा की कहानी अंतर्गत लाभार्थियों की सफलता की कहानी सभी मीडिया प्लेटफार्म मे जारी करने, सेवा मेरा योगदान अंतर्गत स्वच्छता अभियान गांव,शहरों,नदी,घाट,तालाब आदि की सफाई जनसहभागिता से करें। उन्होंने सेवा सेतु शिविर के सम्बन्ध मे कहा कि सभी ब्लॉक मे एक- एक चिहांकित गांव मे आयोजित करना है जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियो की टीम मौजूद रहेंगे। शिविर मे मेगा हेल्थ कैम्प का विशेष रूप से आयोजन किया जाए। शिविर का उद्देश्य आने वाले आवेदको को लाभार्थी बनाकर वापस भेजने का हो।

गुलाब पटेल ने लिखा मछली पालन से समृद्धि का नया अध्याय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। एक किसान के लिए उसकी ज़मीन सिर्फ मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि बेहतर भविष्य की उम्मीदों का आधार होती है। सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम नवरंगपुर निवासी गुलाब पटेल पिता: स्व. प्रेमलाल पटेल ने अपनी इसी ज़मीन में छिपी संभावनाओं को पहचाना और एक ऐसी मिसाल कायम की, जो आज प्रदेश के हज़ारों किसानों और युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। पारंपरिक खेती से इतर कुछ नया करने की सोच के साथ गुलाब पटेल ने जल संरक्षण और मत्स्य पालन को आजीविका का जरिया बनाने का फैसला किया। उनकी इस सोच को साकार करने में केंद्र व राज्य सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना और सेवा संकल्प अभियान संबल बने। गुलाब पटेल के पास 0.40 हेक्टेयर भूमि थी, जिसे उन्होंने तालाब निर्माण के लिए चुना। योजना के तहत उन्हें विभाग से 1.20 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ। विभागीय मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता से तालाब का निर्माण पूरा हुआ और इसी के साथ शुरू हुआ मछली पालन का एक नया सफर। तालाब बनने के बाद गुलाब पटेल ने मत्स्य पालन को वैज्ञानिक तकनीक और पूरे समर्पण के साथ अपनाया।

सहायक उपकरणों से दिव्यांगजनों को मिला संबल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प के तहत जरूरतमंदों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में समाज कल्याण विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में लोक अदालत के अवसर पर समाज कल्याण विभाग, जिला रायपुर द्वारा संविलित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत दिव्यांग हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इन उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन को सुगम बनाने के साथ उनकी गतिशीलता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में कुल 10 सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनमें 06 श्रवण यंत्र, 02 ट्राइसाइकिल और 02 छड़ियां शामिल हैं। सहायक उपकरण मिलने से हितग्राहियों को अपनी दैनिक

गतिविधियों में सुविधा के साथ आवागमन और सामाजिक सहभागिता में भी सहूलियत मिलेगी। जिला न्यायाधीश बलराम प्रसाद वर्मा ने हितग्राहियों को सहायक उपकरण प्रदान किए। उन्होंने दिव्यांगजनों तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

पीपल-वट उद्यान में उप मुख्यमंत्री साव ने किया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने कोहड़िया स्थित कोरबा के प्रथम पीपल-वट उद्यान में वृक्षारोपण किया। उन्होंने उद्यान को निरंतर विकसित करते हुए हरा-भरा और सुंदर बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह उद्यान नागरिकों के लिए प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने का बेहतर स्थान बने तथा यहां आने वाले लोगों को पेड़-पौधों की छाया और बच्चों को मनोरंजन एवं खेलकूद की सुविधाएं भी मिलें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन और विधायक प्रेमचंद पटेल भी इस दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि पीपल-वट उद्यान को व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप दिया जाए। यहां अधिक से अधिक पौधों का रोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार किया जाए, ताकि आने वाले वर्षों में विकसित पेड़-पौधे नागरिकों को शीतल छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकें। उन्होंने उद्यान में बच्चों के लिए आवश्यक मनोरंजन एवं खेलकूद के साधन विकसित करने की आवश्यकता भी बताई।

सेवा संकल्प अभियान : ऋण-जमा अनुपात में सुधार के साथ वित्तीय साक्षरता बढ़ाने पर जोर

बैंकिंग एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में त्रैमासिक जिला स्तरीय परामर्शदात्री सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न बैंकों की ऋण-जमा अनुपात सहित शासकीय एवं बैंकिंग योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए बैंक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविरों के माध्यम से बैंकिंग योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने जरूरतमंद एवं अध्ययनरत विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण की सुविधा सरलता से उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया, ताकि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी भी मेधावी विद्यार्थी की उच्च शिक्षा प्रभावित न हो।

बैठक में प्राथमिकता क्षेत्र, वार्षिक साख योजना, कृषि साख, आवास ऋण, सामाजिक एवं व्यक्तिगत ऋण तथा एमएसएमई क्षेत्र में बैंकों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ऋण-जमा अनुपात में सुधार के लिए बैंकों को प्रभावी प्रयास करने तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले के आदिवासी बाहुल्य एवं वनांचल क्षेत्रों में विशेष रूप से वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं, बचत, बीमा, पेंशन और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि वे बैंकिंग सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

शिविरों के माध्यम से प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना और पीएम स्वनिधि योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में आरसेटी बालोद द्वारा संचालित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जागरूकता शिविरों तथा संस्थान की गतिविधियों और प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने युवाओं एवं जरूरतमंद लोगों को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर स्वरोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी, भारतीय रिजर्व बैंक के एलडीओ राहुल सिंह केराम, आकाश धोरवे, नाबार्ड के डीडीएम सौभाग्य रंजन साहू, लीड बैंक मैनेजर आदर्श बेले सहित विभिन्न बैंकों के समन्वयक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिक व संस्था को 'श्रम यशस्वी पुरस्कार' से नवाजा जाएगा

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार-2025-26 से नवाजा जाएगा। इसके तहत पुरस्कार के लिए चयनित श्रमिक अथवा संस्था को 2 लाख रुपए की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके लिए श्रम विभाग द्वारा आगामी 5 अक्टूबर तक निर्धारित प्रारूप में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पुरस्कार उन श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में श्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य किया हो।

खास खबर

महिला कर्मी का रास्ता रोक कर दी धमकी, पांच आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। नवागढ़ थाना क्षेत्र में शासकीय कार्य के लिए जा रही महिला कर्मी का रास्ता रोककर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत के बाद नवागढ़ पुलिस ने 24 घंटे के भीतर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार 20 सितंबर को महिला कर्मी ग्राम नेगुरडीह से खैरताल जा रही थीं। किरीत मोड़ के पास आरोपियों ने एक राय होकर उनका रास्ता रोक लिया। उन्होंने महिला कर्मी से अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। डायल 112 वाहन पहुंचने के बाद आरोपी वहां से भाग गए। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। गिरफ्तार आरोपियों में किशन उर्फ करण बंजारे, संजय कुमार महिलांगे, मोतीलाल महिलांगे, गौतम प्रसाद सितारे और मनोज कुमार कश्यप शामिल हैं।

घर में बना रहे थे भरमार बंदूक, दो भाई गिरफ्तार

नारायणपुर। कोहकामेटा थाना क्षेत्र के ग्राम किहकाड़ में घर पर अवैध रूप से भरमार बंदूक बनाने और रखने के मामले में पुलिस ने दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार के साथ उसके निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी बरामद की गई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। एसपी संदीप पटेल के निर्देशन में अवैध हथियारों के निर्माण और संग्रहण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार को सूचना मिली कि ग्राम किहकाड़ निवासी जयराम पोयाम उर्फ करवो और उसका भाई रामू पोयाम घर में भरमार बंदूक बनाकर रखे हुए हैं। थाना प्रभारी कोहकामेटा विनोद पासवान के नेतृत्व में पुलिस टीम गांव पहुंची और जयराम पोयाम के घर की घेराबंदी कर उसे पकड़ा। जयराम ने अपने भाई रामू के साथ मिलकर अवैध रूप से भरमार बंदूक बनाने की बात स्वीकार की। जयराम पोयाम उर्फकरवो (45) और रामू पोयाम (21), दोनों निवासी किहकाड़ को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया।

नकली तंबाकू नेटवर्क का खुलासा, 75 बोरा संदिग्ध माल जब्त

भानुप्रतापपुर। नकली शराब के रैकेट के खुलासे के बाद अब भानुप्रतापपुर पुलिस ने नकली तंबाकू खपाने वाले नेटवर्क का भी पता लगाया है। पुलिस ने एक छोटे मालवाहक वाहन से करीब 75 बोरा संदिग्ध नकली तंबाकू जब्त किया है। मामले में नागपुर निवासी सचिन ठाकरे को कथित सप्लायर और दल्लीराजहरा निवासी ओम प्रकाश कुकरेजा को डीलर बताए जाने की जानकारी सामने आई है। दोनों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है, हालांकि फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कलेक्टर-एसएसपी ने ली बैठक : गणेश विसर्जन में डीजे पर सख्ती आयोजकों को दी चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान डीजे सहित सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सख्त हिदायत दी है। जिले में 24 और 25 सितंबर को गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन छठघाट और पचरीघाट में होगा। इसे लेकर कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने मंगलवार को गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों और पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में विसर्जन के दौरान सुरक्षा, यातायात, कानून-व्यवस्था और जरूरी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

कलेक्टर और एसएसपी ने समितियों को स्पष्ट किया कि विसर्जन के दौरान डीजे का उपयोग सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और निर्धारित नियमों के अनुसार ही किया जाए। प्रशासन की टीम नियमों के पालन पर नजर रखेगी। समितियों से विसर्जन के दौरान प्रशासन और पुलिस की ओर से तय व्यवस्थाओं में सहयोग करने की अपील की गई।

नशे में शामिल ना हों, धार्मिक भावनाओं का रखें ख्याल

अधिकारियों ने कहा कि विसर्जन में शामिल होने वाला कोई भी व्यक्ति नशे की हालत में शामिल न हो। श्रद्धालु धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से आयोजन में शामिल हों। ऐसा कोई व्यवहार या कार्य न किया जाए, जिससे किसी की धार्मिक या सामाजिक भावना आहत हो।

23 सितंबर को छठघाट में सफाई अभियान

बैठक में सेवा संकल्प अभियान के तहत 23 सितंबर की सुबह छठघाट में होने वाले स्वच्छता अभियान की जानकारी भी दी गई। पदाधिकारियों से अभियान में शामिल होकर श्रमदान करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता अभियान में जनभागीदारी से सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना मजबूत होगी।

सेक्टर-10 गणेश पंडाल में पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली

श्रद्धालुओं से 10, 20 और 30 रुपए लिए जा रहे थे, निगम ने किया पांच कट्टा रसीद जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के सेक्टर-10 स्थित गणेश पंडाल में श्रद्धालुओं से पार्किंग के नाम पर 10, 20 और 30 रुपए वसूले जाने की शिकायत पर नगर निगम ने बुधवार शाम कार्रवाई की। जांच के दौरान सिद्धि विनायक गणेशोत्सव समिति की ओर से स्वास्तिक सायकल स्टैंड के नाम पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों से शुल्क लिया जा रहा था। निगम की टीम ने मौके से शुल्क वसूली में इस्तेमाल की जा रही 5 कट्टा रसीद जब्त की।

समिति के अध्यक्ष और पदाधिकारियों को तत्काल शुल्क वसूली बंद करने की हिदायत दी गई। निगम ने चेतावनी दी कि दोबारा इस तरह शुल्क लेते पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत के बाद मौके पर पहुंची निगम की टीम

गणेशोत्सव के दौरान सेक्टर-10 में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इसी दौरान नगर निगम को पंडाल के पास वाहन खड़ा करने के बदले लोगों से पैसे लिए जाने की शिकायत मिली थी। नगर निगम आयुक्त सुरुचि सिंह के आदेश और जोन आयुक्त येशा लहरे के निर्देश पर जोन-5 की टीम बुधवार शाम मौके पर पहुंची और जांच की।

एक समिति में शुल्क नहीं, दूसरी जगह वसूली

जांच के दौरान दो गणेशोत्सव समितियों की अलग-अलग स्थिति सामने आई। शिवमानस गणेशोत्सव समिति के पंडाल में किसी तरह का पार्किंग शुल्क नहीं लिया जा रहा था। वहीं सिद्धि विनायक गणेशोत्सव समिति के यहां स्वास्तिक सायकल स्टैंड के नाम पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों से 10, 20 और 30 रुपए लिए जा रहे थे। निगम की टीम ने मौके पर शुल्क वसूली से संबंधित रसीदें जब्त कर लीं।

5 कट्टा रसीद से सामने आया शुल्क वसूली का मामला

मौके पर मिली 5 कट्टा रसीद कार्रवाई का अहम आधार रही। इन रसीदों के जरिए वाहन खड़ा करने के बदले राशि लिए जाने की बात सामने आई।

निगम अधिकारियों ने समिति के पदाधिकारियों से कहा कि श्रद्धालुओं के लिए बनाई गई व्यवस्था के नाम पर बिना अनुमति शुल्क नहीं लिया जा सकता। फिलहाल रसीदें जब्त कर शुल्क वसूली बंद करा दी गई है।

गणेश पंडालों की व्यवस्थाओं पर निगम की नजर

गणेशोत्सव के दौरान शहर के बड़े पंडालों में रोज बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। ऐसे में पार्किंग और भीड़ प्रबंधन को लेकर अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है। नगर निगम की टीमें अलग-अलग व्यवस्थाओं पर निगरानी रख रही हैं। निगम ने सभी गणेशोत्सव समितियों से आयोजन के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करने और श्रद्धालुओं से बिना अनुमति किसी भी तरह की राशि नहीं लेने को कहा है। कार्रवाई के दौरान जोन-5 के सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम और भिलाई नगर पुलिस की टीम मौजूद रही।

कोनी में चोरियां करने वाला गिरोह पकड़ा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के कोनी थाना क्षेत्र में लगातार हुई चोरी की वारदातों का पुलिस ने खुलासा किया है। मकानों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 4 लाख 81 हजार 488 रुपए का सोने-चांदी के जेवर और अन्य सामान बरामद किया गया है। मामले में शामिल एक नाबालिग को किशोर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

कोनी थाना क्षेत्र में 18 अगस्त, 10 सितंबर और 15 सितंबर को लगातार चोरी की घटनाएं हुई थीं। अज्ञात चोरों ने रात के समय मकानों का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और सोने-चांदी के जेवर, नकदी समेत अन्य सामान चोरी कर लिया था। शिकायत मिलने के बाद कोनी थाने में मामले दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी जितेंद्र गुप्ता ने आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित की।

पुलिस टीम ने चोरी वाली जगहों और आसपास लगे सीसीबीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एक नाबालिग लड़के को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में नाबालिग ने अपने साथियों राहुल यादव, भीम शंकर वर्मा उर्फ करिया और राकेश कुमार यादव उर्फ भोलू यादव के साथ मिलकर तीनों चोरियां करना बताया।

नाबालिग से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने भी वारदात करना स्वीकार किया। वे रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मकानों के ताले तोड़ते थे और अंदर घुसकर सोने-चांदी के जेवर, नकदी और अन्य सामान चोरी करते थे।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने तीनों मामलों में चोरी गया सामान बरामद करने का दावा किया है। बरामदगी में 1 किलो 190 ग्राम चांदी के गहने, 12 ग्राम सोने के गहने, 2 मोटरसाइकिल, 1 ओप्पो मोबाइल फोन, 6,700 रुपए नकद और चोरी में इस्तेमाल लोहे का सब्बल शामिल है। बरामद सामान की कुल कीमत 4 लाख 81 हजार 488 रुपए बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक, मामले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद राहुल यादव, भीम शंकर वर्मा उर्फकरिया और राकेश कुमार यादव उर्फभोलू यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश पर तीनों को जेल भेज दिया गया।

पटरी पर आत्महत्या करने पहुंचा युवक, पुलिस ने समय रहते बचाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में युवक आत्महत्या करने के इरादे से रेलवे पटरी के पास पहुंच गया। उसने जिंदगी खत्म करने की बात कहते हुए वीडियो बनाया। इसकी जानकारी पुलिस को मिलते ही टीम ने साइबर थाना की तकनीकी मदद से युवक की तलाश शुरू की। पुलिस ने उसे रेलवे पटरी के पास से सुरक्षित बचा लिया। मामला खरसिया चौकी क्षेत्र का है।

जांच में सामने आया कि युवक पारिवारिक कारणों से आत्महत्या करने पहुंचा था। वीडियो में उसने कहा, घर परिवार वालों से मैं टूट चुका हूं। मुझे मरने के सिवाए कुछ नहीं दिख रहा है। मेरी गाड़ी खरसिया स्टेशन पर है। मैं पटरी में कटकर मर जाऊंगा। इसके सिवाए कुछ भी नहीं दिख रहा है। मेरी जीने की आशा खत्म हो चुकी है। यह वीडियो मेरे घरवालों तक पहुंचा देना।

जानकारी के मुताबिक युवक का नाम गोकुल निषाद है, जो कि बोकरामुड़ा का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार गोकुल ने अपनी बाइक स्टेशन के पास खड़ी की थी। इसके बाद वह रेलवे पटरी पर आत्महत्या करने पहुंचा, लेकिन उससे पहले वीडियो बनाया और उसने अपना दर्द बया किया। इस बीच गोकुल के वीडियो बनाने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही खरसिया चौकी पुलिस ने साइबर थाना से तकनीकी सहायता लेकर उसकी तलाश शुरू की।

पुलिस को गोकुल के रेलवे पटरी की ओर होने की जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने उसकी संभावित लोकेशन और आने-जाने के रास्तों पर नजर रखते हुए तलाश शुरू की। इस दौरान युवक रेलवे पटरी के आसपास दिखाई दिया। पुलिस को अपनी ओर आते देखकर गोकुल वहां से निकलने लगा। वह टाउन हॉल की ओर से रायगढ़ चौक की तरफ जाने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे रोक लिया। पुलिस टीम ने गोकुल से बातचीत कर उसकी स्थिति को समझा और उसे समझाइश दी। इसके बाद उसको परिजनों के हवाले कर दिया गया।

रायगढ़ पुलिस ने की अपील

रायगढ़ पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन हों, भावनात्मक या तनाव की स्थिति में खुद को नुकसान पहुंचाने जैसा कदम न उठाएं। मुश्किल समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। ऐसी स्थिति में अकेले रहने के बजाय परिवार, दोस्त या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से अपनी बात साझा करें।

बेदरे के जंगल में नक्सली डंप से हथियार बरामद, 80 से ज्यादा जिंदा राउंड मिले

बीजापुर। बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को एक और सफलता मिली है। थाना बेदरे क्षेत्र के ग्राम लंका पहाड़ी के जंगल में सर्चिंग और डिमाइनिंग अभियान के दौरान जमीन के अंदर छिपाकर रखा गया नक्सली डंप बरामद किया गया है। डंप से एसएलआर, आईएनएसएएस, .315 बोर बंदूक, बीजीएल लॉन्चर, ग्रेनेड और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद मिला है।

सुरक्षा बलों ने बरामद हथियार और अन्य सामग्री को जब्त कर लिया है। डंप से जुड़े लोगों की तलाश भी की जा रही है।

जमीन के अंदर छिपाकर रखा था हथियारों का डंप

सुरक्षा बलों की टीम जंगल में सघन चेकिंग और डिमाइनिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान जवानों को जमीन के अंदर छिपाकर रखी गई संदिग्ध सामग्री का पता चला।

जांच करने पर यहां नक्सली डंप होने की पुष्टि हुई। इसके अलावा 17 बीजीएल सेल, एक चाइना हैंड ग्रेनेड, 49 एसएलआर राउंड, 15 .315 बोर राउंड, 15 बीजीएल कारतूस, चार एसएलआर मैगजीन और एक .315 बोर मैगजीन भी बरामद हुई है। सुरक्षा बलों ने अन्य उपकरण भी जब्त किए हैं। बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बीजापुर जिले में सितंबर के दौरान सुरक्षा बलों को अलग-अलग अभियानों में नक्सलियों के कई डंप बरामद हुए हैं। 20 सितंबर- भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के आदवाड़ा जंगल से एके-47, .315 बोर हथियार, सिंगल शॉट रायफल, पिस्टल, जिंदा कारतूस और मैगजीन बरामद किए गए थे। 16 सितंबर- फफसेगढ़ थाना क्षेत्र के बड़ेआलवाड़ा जंगल से .315 बोर रायफल,49 जिंदा राउंड, .303 के 25 राउंड, 12 बोर के 49 राउंड, 8 किलो जिलेटिन,वॉकी-टॉकी और अन्य सामग्री मिली।

रायगढ़ में लापता युवक का मांड नदी में मिला शव मौत की वजह स्पष्ट नहीं, पुलिस जांच में जुटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के छाल थाना क्षेत्र में गणेश विसर्जन के बाद लापता हुए 22 वर्षीय युवक का शव मांड नदी में मिला है। मंगलवार को बंगरसुता पुल के पास नदी की झाड़ियों में शव दिखाई देने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने शव की पहचान ओम राठिया, निवासी कुड़ेकेला के रूप में की। युवक करीब दो दिनों से लापता था।

मिली जानकारी के अनुसार, ओम राठिया रविवार शाम दोस्तों और ग्रामीणों के साथ गणेश विसर्जन कार्यक्रम में शामिल हुआ था। विसर्जन के बाद वह घर लौट आया था। घर पहुंचने के कुछ देर बाद वह बिना किसी को बताए दोबारा बाहर निकल गया।

देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों, दोस्तों और आसपास के इलाकों में खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

नदी की झाड़ियों में मिला शव

मंगलवार को ग्रामीणों ने मांड नदी में बंगरसुता पुल के पास झाड़ियों में एक शव देखा। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे और शव की पहचान ओम राठिया के रूप में की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। छाल पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस और स्नस्रु टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम किया है। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल भेज दिया गया।

डूबने की आशंका, पीएम रिपोर्ट से साफ होगा कारण

फिलहाल ओम राठिया की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रारंभिक तौर पर नदी में डूबने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म: नवजात को जन्म देने के बाद मामले का हुआ खुलासा, कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने आरोपी दीपक बुदुला को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर 5 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। वहीं, मामले में नामजद एक अन्य आरोपी शिवा पटनायक को दोषमुक्त कर दिया गया। मामला उस समय सामने आया, जब नाबालिग पीड़िता ने एक नवजात को जन्म दिया। इसके बाद जिला बाल संरक्षण इकाई को घटना की जानकारी मिली और मामले की रिपोर्ट पुलिस को दी गई। अभियोजन के मुताबिक, जिला बाल संरक्षण इकाई रायगढ़ में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की काउंसलर राजकुमारी पटेल को 20 जनवरी 2025 की दोपहर करीब 3 बजे सूचना मिली कि रायगढ़ के कान्हा अस्पताल में एक नाबालिग बालिका ने नवजात बच्चे को जन्म दिया है।

जानकारी मिलने के बाद विभाग के दो कर्मचारी अस्पताल पहुंचे। वहां नाबालिग के साथ एक युवक भी मिला। दोनों को 22 जनवरी 2025 को बाल कल्याण समिति रायगढ़ में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए कहा।

अभियोजन के अनुसार, नाबालिग बाल कल्याण समिति के सामने 31 जनवरी 2025 को पेश हुई। पहली काउंसलिंग में उसने घटना के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दी। इसके बाद 21 मार्च 2025 को दोबारा काउंसलिंग की गई। वहीं दूसरी काउंसलिंग में पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2023 में एक युवक ने उसे बहला-फुसलाकर शारीरिक संबंध बनाए थे। इसके बाद मई महीने में उसकी मुलाकात दीपक बुदुला (20) से हुई।

दीपक बुदुला पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और वहां रखकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद पीड़िता जुलाई 2024 में गर्भवती हो गई।

पीड़िता को सितंबर 2024 में गर्भवती होने की जानकारी मिली। इसी दौरान वह स्थानीय मंदिर के पास नारियल बेचने का काम कर रही थी, जहां उसकी मुलाकात शिवा पटनायक से हुई। शिवा ने प्रेम संबंध की बात कहकर उसके साथ भी शारीरिक संबंध बनाए।

पीड़िता ने 19 जनवरी 2025 को एक बच्चे को जन्म दिया। इलाज के लिए उसे कान्हा अस्पताल ले जाया गया। यहीं से मामला जिला बाल संरक्षण इकाई के संज्ञान में आया।

काउंसलिंग के बाद बाल कल्याण समिति को रिपोर्ट सौंपी गई। समिति की ओर से नाबालिग के साथ गलत करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस में लिखित शिकायत दी गई। इसके आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़िता के बयानों के आधार पर शिवा पटनायक पर दोष सिद्ध नहीं पाया गया और उसे दोषमुक्त कर दिया गया। अदालत ने दीपक बुदुला को 20 साल के कारावास और 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। मामले में विशेष लोक अभियोजक गोविंद नारायण दुबे ने अभियोजन की ओर से पैरवी की।

शराब के अवैध तस्करी पर होगी सख्त कार्रवाई

जांजगीर। जांजगीर-चांपा जिले में प्रशासनिक कसावट और जनहितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर जन्मेजय महोबे पूरी तरह सख्त नजर आ रहे हैं। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कामकाज की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में आबकारी विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर महोबे ने अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और परिवहन पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर बड़े पैमाने पर जब्ती और नष्टीकरण की कार्रवाई की जाए।

राजस्व मंत्री के निवास पर आयोजित तीज मिलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

68 लाख महिलाओं को मिल रहा महतारी वंदन का लाभ : साय

- माताओं-बहनों का सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण पहली प्राथमिकता
- प्रदेश की 13.85 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम
- फिल्म सिटी से छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति और प्रतिभा को मिलेंगे नए अवसर
- लोक कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कलाकारों का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के निवास पर आयोजित तीज मिलन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों से भेंट कर उन्हें तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं में मातृशक्ति का विशेष स्थान है। माताओं-बहनों का सम्मान, उनकी सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तीज का पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और आत्मीय रिश्तों से जुड़ा हुआ है। भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना का यह पर्व परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना का अवसर है। उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की सभी माताओं-बहनों और उनके परिवारों के सुखी, समृद्ध और स्वस्थ जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश की प्रत्येक महिला को आगे बढ़ने के लिए अवसर, संसाधन और आवश्यक सहयोग मिले। जब हमारी माताएं-बहनें आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तो परिवार मजबूत होगा और पूरे प्रदेश की प्रगति को नई गति मिलेगी।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि तीज के अवसर पर माताओं-बहनों का अपने निवास पर अभिनंदन करना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी विशेष बना दिया है।

श्री वर्मा ने अपने जीवन के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि जब वे आठवीं कक्षा में पढ़ते थे, तब पहली बार उनके गांव में बिजली पहुंची थी और गांव तक सड़क भी नहीं थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 के बाद प्रदेश के गांवों में बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों का तेजी से विस्तार हुआ। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास और खुशहाली की दिशा में आगे बढ़ रहा है। किसान परिवार के बेटे के रूप में प्रदेश सरकार में मंत्री बनकर जनता की सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने छत्तीसगढ़ी लोकगीत प्रस्तुत कर माताओं-बहनों का अभिनंदन किया। उनकी प्रस्तुति से समारोह में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और तीज पर्व का उल्लास और भी जीवंत हो उठा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने राजस्व मंत्री श्री वर्मा के निवास पर विराजित विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने समस्त छत्तीसगढ़वासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए प्रदेश की निरंतर प्रगति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

मातृशक्ति का सर्वोच्च स्थान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में मातृशक्ति का सर्वोच्च सम्मान रहा है। वेदों, पुराणों और सामाजिक परंपराओं में नारी के सम्मान और उसकी गरिमा का संदेश निहित है। एक मां परिवार की पहली शिक्षक और संस्कारों की आधारशिला होती है। माताओं-बहनों के परिश्रम, त्याग और आशीर्वाद से ही परिवार मजबूत होता है और मजबूत परिवार से सशक्त समाज तथा समृद्ध प्रदेश का निर्माण होता है। महिलाएं छत्तीसगढ़ के निर्माण में बराबर की सहभागी हैं।

महतारी वंदन बना संबल

श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनी। योजना के अंतर्गत 68 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपए की राशि सीधे अंतरित की जा रही है। अब तक 31 किस्तों के माध्यम से 20 हजार करोड़ रुपए खातों में पहुंचाई जा चुकी है। बहनें इस राशि का उपयोग अपनी और परिवार की आवश्यकताओं के साथ बच्चों की पढ़ाई, बचत और छोटे-छोटे स्वरोजगार के लिए भी कर रही हैं।

13.85 लाख लखपति दीदियां

महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य माताओं-बहनों को स्थायी आजीविका, कौशल और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। प्रदेश में अब तक 13.85 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं। महिलाएं बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग करते हुए स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी न केवल परिवारों को समृद्ध बना रही है, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

देश-दुनिया में नई पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी विशिष्ट लोककला, संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। यह हमारी पहचान और हमारी ताकत भी है। इसे सहेजने के साथ नई पीढ़ी और देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। लगभग 650 करोड़ रुपए की लागत से फिल्म सिटी तैयार की जा रही है। इससे स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और युवाओं के लिए रोजगार तथा प्रतिभा प्रदर्शन के नए अवसर तैयार होंगे और प्रदेश के पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मोदी के नेतृत्व में नई गति, 18 लाख आवासों को स्वीकृति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ विकसित भारत के संकल्प की दिशा में आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ भी विकसित भारत के निर्माण में अपनी सशक्त भूमिका निभाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी गई है और प्रतिदिन लगभग 1600 आवासों का निर्माण किया जा रहा है। गांवों तक आवास, पेयजल, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कोरोना महामारी का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने स्वदेशी स्तर पर वैक्सीन विकसित कर अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ अनेक देशों की भी सहायता की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर छत्तीसगढ़वासियों ने अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के प्रति अपना स्नेह और शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

शांति, विश्वास और विकास के साथ आगे बढ़ रहा राज्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व, सुरक्षा बलों के साहस और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से छत्तीसगढ़ ने नक्सलवाद के विरुद्ध महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। जिन क्षेत्रों में कभी भय और हिंसा विकास की राह में बाधा थे, वहां आज शांति और विश्वास के साथ विकास के नए अवसर तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने छत्तीसगढ़ को वन संपदा, वनोपज, खनिज संसाधनों और उपजाऊ कृषि भूमि से समृद्ध बनाया है। इन संसाधनों का जनहित में बेहतर उपयोग करते हुए प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना सरकार का संकल्प है। विकसित छत्तीसगढ़ की इस यात्रा में माताओं-बहनों की सहभागिता, उनका परिश्रम और आशीर्वाद अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोककला और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में कलाकारों का अमूल्य योगदान है। हमारे कलाकार अपनी प्रतिभा के माध्यम से छत्तीसगढ़ की मिट्टी की सुगंध और यहां की परंपराओं को देश-दुनिया तक पहुंचा रहे हैं।

चाउंर वाले बाबा का योगदान

श्री साय ने कहा कि डॉ. रमन सिंह के 15 वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश में सड़क, बिजली, पेयजल और खाद्य सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में व्यापक कार्य हुए। सार्वजनिक वितरण प्रणाली की मजबूत व्यवस्था विकसित की गई, जिसके कारण डॉ. रमन सिंह को प्रदेश में 'चाउंर वाले बाबा' की पहचान मिली। आज केंद्र और राज्य सरकार मिलकर जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही हैं।

कलाकारों का सम्मान

समारोह में छत्तीसगढ़ की लोक कला एवं संस्कृति को देश-विदेश में पहचान दिलाने वाले कलाकारों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को सहेजने, संवर्धित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने में कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारी लोककला, लोकगीत, लोकनृत्य और परंपराएं केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि हमारी जड़ों और सामाजिक जीवन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं।

सेवा संकल्प माह : जोगी डोंगरी जलाशय में स्वच्छता अभियान चलाकर दिया जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

गौरेला। कलेक्टर विजय दयाराम के मार्गदर्शन में गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण, स्वच्छता एवं जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज जोगी डोंगरी जलाशय के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान एवं जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

अभियान के दौरान जोगी डोंगरी जलाशय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें जलाशय के आसपास बिखरे कचरे एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों की साफ-सफाई की गई। स्वच्छता अभियान के माध्यम से जल स्रोतों को प्रदूषण से मुक्त रखने और उनके संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने, जल के अपव्यय को रोकने तथा उपलब्ध जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने के संबंध में जागरूक किया गया। जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों से अपने गांव के तालाबों, जलाशयों, कुओं एवं अन्य पारंपरिक जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई और देखरेख में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की गई।

कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण केवल विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। ग्रामीणों को प्रेरित किया गया कि वे अपने आसपास के जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के साथ ही जल के संरक्षण और सदुपयोग के लिए निरंतर प्रयास करें।

अभियान में ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने, पानी की बर्बादी रोकने तथा जल संरक्षण के लिए अपने स्तर पर निरंतर प्रयास करने का सामूहिक संकल्प लिया। ग्रामीणों की सहभागिता ने जल संरक्षण के प्रति सामुदायिक जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

कार्यक्रम के माध्यम से जल है तो कल है के संदेश को जन-जन तक पहुंचाते हुए जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और जल के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए व्यापक जनभागीदारी का आह्वान किया गया। जल संरक्षण को जनभागीदारी से जनआंदोलन का स्वरूप देने का संदेश दिया गया।

सेवा संकल्प से मिली नई जिंदगी, सफल सर्जरी के बाद तेजेश्वर के जीवन में फिर लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जरूरतमंद तक समय पर मदद पहुंचाने का संकल्प है। सुशासन का वास्तविक अर्थ भी तब सामने आता है, जब शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है। छत्तीसगढ़ शासन के सेवा संकल्प अभियान की इसी भावना को साकार करती सेवा की कहानी है ग्राम खड़गांव के तेजेश्वर की, जिसे चिरायु योजना के माध्यम से समय पर उपचार मिला और आज वह स्वस्थ जीवन जी रहा है।

मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के विकासखंड मानपुर के ग्राम खड़गांव निवासी तेजेश्वर वर्ष 2025 में विद्यालयीन स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चिरायु दल द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने बच्चे के हृदय में असामान्य ध्वनि महसूस की। यह एक सामान्य जांच के दौरान सामने आई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी थी, जिसने आगे चलकर बच्चे के जीवन को नई दिशा दी।

चिरायु दल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बच्चे के माता-पिता से आवश्यक जानकारी प्राप्त की और आगे की जांच एवं उपचार के लिए उसे 15 जुलाई 2025 को नारायणा हॉस्पिटल रायपुर रेफर किया। वहां आवश्यक जांच एवं ईकोकार्डियोग्राफी के बाद बच्चे के हृदय में गंभीर बीमारी की पुष्टि हुई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्चे के स्वास्थ्य को देखते हुए हृदय की सर्जरी की सलाह दी। इसके बाद चिरायु योजना के अंतर्गत आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर 27 नवंबर 2025 को नारायणा अस्पताल, रायपुर में तेजेश्वर की सफल सर्जरी की गई। सर्जरी के बाद बच्चे के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हुआ और आज तेजेश्वर स्वस्थ एवं सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा है।

चिरायु योजना के माध्यम से उपलब्ध कराए गए निःशुल्क उपचार ने परिवार पर आने वाले आर्थिक बोझ को भी कम किया। तेजेश्वर के माता-पिता के लिए यह अनुभव किसी वरदान से कम नहीं है।

'जतन केंद्र' ने बदली 27 हजार से ज्यादा बच्चों की जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिए जतन केंद्र उम्मीद और संबल का केंद्र बनकर उभरा है। रायगढ़ जिले में वर्ष 2016 को शुरू हुए इस केंद्र में अब तक 27,088 बच्चों का परीक्षण, मूल्यांकन और उपचार किया जा चुका है। वहीं अप्रैल से अगस्त 2026 तक 5,397 बच्चों को विभिन्न सेवाओं का लाभ मिला है।

जतन की खासियत इसका बच्चों के अनुकूल माहौल है। केंद्र को प्ले स्कूल जैसे सहज और खुशनुमा वातावरण में तैयार किया गया है, ताकि बच्चे अस्पताल के डर या तनाव के बिना उपचार करा सकें। यहां आने वाले बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार विशेषज्ञ सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती हैं।

केंद्र में शिशु रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, विशेष शिक्षक, स्पीच थेरेपिस्ट, ऑडियोलॉजिस्ट, ऑप्टोमेट्रिस्ट, नर्स, पैथोलॉजी, समाजसेवक और काउंसलर की सेवाएं पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध हैं। विकासात्मक देरी, देर से बोलने, सीखने में परेशानी और ऑटिज्म जैसे लक्षणों वाले बच्चों का नियमित आकलन और उपचार किया जा रहा है। मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बच्चों में सामने आ रही लर्निंग प्रॉब्लम के मामलों में भी विशेषज्ञ सेवाएं दी जा रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जतन डीईआईसी में सेवाओं के लगातार सुधार और विस्तार पर जोर दिया जा रहा है।

टंग-टाई के 285 मामले

जतन के दंत चिकित्सा विभाग में टंग-टाई यानी जीभ के जुड़ाव की समस्या वाले बच्चों का फ्रेनेक्टमी पद्धति से निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। अब तक करीब 285 बच्चे इस सुविधा से लाभान्वित हो चुके हैं।

श्रवण एवं फिजियो

श्रवण विकार वाले बच्चों के लिए बीईआरए और पीटीए टेस्ट की सुविधा है। ये दिव्यांगता प्रमाण पत्र और कॉक्लियर इंप्लांट के लिए उपयोगी हैं। फिजियोथेरेपी विभाग में बच्चों के उपचार और पुनर्वास पर काम किया जाता है।

स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद थीम पर कार्यक्रमों का आयोजन

- निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 458 मरीजों को मिला परामर्श, 100 औषधीय पौधों का किया गया रोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। सेवा संकल्प अभियान एवं 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले के शासकीय आयुर्वेद औषधालय बुनगा द्वारा 'स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद' थीम पर विभिन्न जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य गतिविधियों का विशाल आयोजन किया गया।

आयोजन के तहत निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर, काढ़ा वितरण, नशामुक्ति शपथ एवं जागरूकता, स्वच्छता जागरूकता, मितानिन प्रशिक्षण, योग शिविर तथा औषधीय पौधारोपण जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

छिछोर उमरिया, सिहा, ठाकुरपाली, गोतमा एवं स्कूल पारा बुनगा में लगाए गए चिकित्सा शिविरों में कुल 458 मरीजों को आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श प्रदान किया तथा सभी को निःशुल्क औषधियों का वितरण भी किया गया।

शिविरों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, वातरोग, ऋतुचर्या एवं योगाभ्यास सहित विभिन्न आयुर्वेदिक विषयों पर आधारित पाम्पलेट वितरित कर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही आयुर्वेद और प्रकृति के समन्वय का संदेश देते हुए 100 औषधीय पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

गांव के सामुदायिक भवनों एवं चौक-चौराहों पर आयोजित इन गतिविधियों में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. जागृति पटेल, फार्मासिस्ट भोज मालाकार, वर्षा ठेठवार, योग प्रशिक्षक दुलामनी रजक, सरपंच एवं मितानिनों का सक्रिय योगदान रहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950